■ उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

सच का साथी...

बी पी एस न्यूज

www.bpsnews.in

(वर्ष-7 अंक-46)

पृष्ठ 8 मूल्य 2/रुपया

सोमवार 02 जनवरी, 2023

▶ दूसरे दिन भी जारी रहा सपाइयों का सत्याग्रह धरना

▶ पेट दर्द को न करें इग्नोर

▶ इस साल क्रिकेट व हाकी में होगी गजब का धमाल

कर्नाटक में बीजेपी अकेले चुनाव लड़ेगी:अमित शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं से कर्नाटक में दो तिहाई बहुमत से सरकार के गठन को सुनिश्चित करने का आग्रह करते हुए शनिवार को कहा कि पार्टी 2023 के विधानसभा चुनाव में अकेले उतरेगी। उन्होंने कहा कि यह सीधा मुकाबला होगा क्योंकि जनता दल (सेक्युलर) को वोट देना कांग्रेस को वोट देने जैसा होगा। उन्होंने भाजपा का संदर्भ देते हुए लोगों से यह भी तय करने का आग्रह किया कि वे ''देशभक्तों की पार्टी'' के साथ खड़े हैं या कांग्रेस के नेतृत्व में ''टुकड़े टुकड़े गिरोह'' के साथ।शाह ने कहा, ''स्पष्ट रूप से दो पक्ष हैं और इस बार सीधी लड़ाई है। पत्रकार कहते हैं कि त्रिकोणीय लड़ाई है। मैंने कहा नहीं, यह सीधी लड़ाई है, क्योंकि जद (एस) को वोट देने का मतलब कांग्रेस को वोट देना है। तो, क्या यह सीधी लड़ाई है या नहीं?'' उन्होंने आरोप लगाया कि जद (एस) अफवाह फैला रही कि भाजपा उसके साथ गठजोड़ करेगी। यहां पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए शाह ने कहा, ''मैं कार्यकर्ताओं और कर्नाटक के लोगों से कहने आया हूं कि हम किसी भी पार्टी के साथ गठजोड़ नहीं करेंगे। हम अकेले लड़ेंगे और अपने दम पर सरकार बनाएंगे।''

उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा, ''स्पष्ट रूप से दो पक्ष हैं। एक तरफ, भाजपा के रूप में देशभक्तों का संगठन है और दूसरी तरफ, कांग्रेस के नेतृत्व में टुकड़े-टुकड़े गिरोह एक साथ आ गए हैं। यह कर्नाटक के लोगों को तय करना है कि वे देशभक्तों के साथ हैं या उन लोगों के साथ जो इस देश को विभाजित करना चाहते हैं।'' शाह यहां पैलेस ग्राउंड में भाजपा के बूथ अध्यक्षों और बूथ स्तरीय प्रतिनिधि के सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। गुजरात में भाजपा की भारी जीत को रेखांकित करते हुए, शाह ने पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा, ''यदि आप सरकार बनाना चाहते हैं, तो आधी-अधूरी न बनाएं, पूर्ण दो-तिहाई बहुमत से सरकार बनाएं।'' शाह ने कहा, ''मैंने कर्नाटक के लोगों का मूड देखा है। लोग तैयार हैं (हमें समर्थन देने के लिए), हमें उनके पास जाने की जरूरत है।'' कर्नाटक में अप्रैल-मई, 2023 तक चुनाव होंगे।

शर्मसार: कार सवार युवकों ने लड़की को 5 किलोमीटर घसीटा, मौत के बाद गिरफ्तार हुए आरोपी

नई दिल्ली। नए साल के जश्न के बीच दिल्ली के कंझावला इलाके में दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। यहां कार सवार पांच युवकों ने दरींदगी की हदें पार करते हुए एक युवती का एक्सीडेंट कर उसे गाड़ी से चार किलोमीटर तक घसीटा। इस हादसे में युवती की मौत हो गई है। वहीं पुलिस ने आरोपी युवकों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने घटनास्थल पर उपयोग की गई गाड़ी भी सुल्तानपुरी से क्षतिग्रस्त अवस्था में बरामद की है।दरअसल हादसा 31 दिसंबर-1 जनवरी के दरमियां रात में हुई था। यहां युवती की स्कूटी की टक्कर गाड़ी से हो गई। इस टक्कर में युवती गाड़ी के नीचे फंस गई। आरोपी युवक युवती को चार किलोमीटर तक घसीटते रहे। आरोपी युवकों ने युवती को इतना घसीटा की उसके शरीर के सारे कपड़े फट गए थे। बाद में युवती का शव नग्न अवस्था में मिला था। हादसे में आरोपी युवकों ने युवती को इतना घसीटा था कि उसके शरीर का काफी हिस्सा गायब हो चुका था। रोड़ पर घसीटने के कारण लड़की के पैर गायब थे। पुलिस को युवती की स्कूटी भी मिल गई है।पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि शुरुआती तौर पर मामला मूल रूस से एक्सीडेंट का है। डीसीपी आउटर के अनुसार दिल्ली पुलिस को सुबह तड़के सूचना मिली की कुतुबगढ़ की तरफ जा रही एक गाड़ी में बॉडी लटकी हुई दिखी है। इसके बाद पुलिस ने गाड़ी की तलाश शुरू की। इसी पड़ताल के बीच दिल्ली पुलिस को युवती की नग्न अवस्था में लाश कंझावला इलाके में पड़ी मिली। पुलिस ने घटना स्थल से फॉरेंसिक सैंपल ले लिए है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस आस पास के इलाकों के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। वहीं सभी आरोपी लड़कों का मेडिकल भी कराया जा रहा है।

जानकारी के मुताबिक इस घटना का एक वीडियो भी सामने आया है। इसमें युवती की लाश दिख रही है। पुलिस के मुताबिक आरोपी लड़कों ने नशे की हालत में एक्सीडेंट किया। मुरथल सोनीपत से वापस लौट रहे लड़कों की गाड़ी सुल्तानपुरी के पास युवती की स्कूटी से टकरा गई। एक्सीडेंट में युवती कार के नीचे फंस गई।

पीएम मोदी 3 जनवरी को 108वीं भारतीय विज्ञान कांग्रेस में महिला सशक्तिकरण विषय पर करेंगे संबोधित

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मंगलवार को सुबह साढ़े दस बजे 108वीं भारतीय विज्ञान कांग्रेस को सम्बोधित करेंगे। प्रधानमंत्री का यह संबोधन वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से होगा, जिसका विषय महिला सशक्तिकरण के साथ सतत विकास के लिए विज्ञान और टेक्नोलॉजी है। प्रधानमंत्री ऑफिस की ओर से रविवार यानी आज बताया गया है कि 108वीं भारतीय विज्ञान कांग्रेस में विज्ञान , प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग, गणित शिक्षा और आर्थिक भागीदारी तक महिलाओं की पहुंच प्रदान करने के तौर-तरीके तलाशने के बारे में विचार-विमर्श किया जायेगा।108वीं भारतीय विज्ञान कांग्रेस में बच्चों के बीच वैज्ञानिक रुचि और स्वभाव को प्रोत्साहित करने में मदद करने के लिए बाल विज्ञान कांग्रेस का भी आयोजन किया जाएगा। इसके साथ ही किसान विज्ञान कांग्रेस का भी आयोजन होगा। जिसमें जैव-अर्थव्यवस्था में सुधार और युवाओं को कृषि की ओर आकर्षित किया जाएगा। भारतीय विज्ञान कांग्रेस में जनजातीय विज्ञान कांग्रेस का भी आयोजन किया जाएगा, जिसके जरिए आदिवासी महिलाओं की सशक्तिकरण पर जोर दिया जाएगा।

पिकनिक मनाने गये युवक की मौत, जताया हत्या का शक

मालदा । दोस्तों के साथ पिकनिक मनाने गए युवक की मौत हो गयी। नए साल की सुबह चांचल थाना पुलिस को सूती इलाके से अर्धनग्न हालत में लाश मिली। पुलिस ने लाश बरामद कर मालदा मेडिकल कॉलेज व अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए भेजा। परिवार ने दोस्तों पर हत्या करने का शक जताया है। पुलिस ने कहा कि मौत का कारण, पोस्टमार्टम रिपोर्ट से स्पष्ट होगा। पुलिस सूत्रों के अनुसार मृत युवक का नाम दिलीप दास (28) है, जो पेशे से लोहा बेचता है। उसका घर चांचल के सुती गांव में है।

शिवपाल को जोड़ने के बाद यादवलैंड में नए सिरे से सियासी जमीन तैयार कर रहे अखिलेश

लखनऊ । सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव अब हर सियासी कदम फूंक-फूंक कर रख रहे हैं। चाचा शिवपाल को साथ जोड़ने के बाद वह घर से ही नए सिरे से सियासी जमीन तैयार कर रहे हैं। वह पहली बार इटावा, मैनपुरी, एटा, फिरोजाबाद, औरैया, फर्रुखाबाद और कन्नौज यानी इस यादवलैंड पर पूरी शिद्दत के साथ फोकस कर रहे हैं। यहां के हर गांव के युवाओं से सीधे जुड़ कर भविष्य की रणनीति बना रहे हैं। इसे सियासी नजरिए से अहम माना जा रहा है। क्योंकि अभी तक यादवलैंड को मुलायम सिंह यादव के बाद शिवपाल का समर्थक माना जाता रहा है। मुलायम का गढ़ रहे यादवलैंड पर भाजपा लगातार भगवा ध्वज फहराने के लिए कोशिश करती रही है। पिछले चुनाव में सपा से नाराज होने वाले तमाम कद्दावर नेताओं को भाजपा ने जोड़ा। उन्हें संगठन के साथ सियासी मैदान में उतार कर नया संदेश देने का भी काम किया। विधानसभा चुनाव में कुछ हद तक कामयाबी भी मिली। इतना ही नहीं, मुलायम सिंह के निधन के बाद भाजपा ने यहां से उनके शिष्य रघुराज सिंह शाक्य को उम्मीदवार बनाया। वहीं, इस उपचुनाव ने सपा ने अपनी रणनीति बदली। राग द्वेष भुलाकर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने चाचा शिवपाल को न सिर्फ जोड़ा, बल्कि उपचुनाव से दूर रहने की परंपरा को खत्म कर घर-घर चुनाव प्रचार भी किया। नतीजा रहा कि सपा घर की सीट बचाने में कामयाब रही। उपचुनाव के बाद भी अखिलेश यादव इस इलाके में लगातार सक्रिय हैं। वह विधानसभा क्षेत्रवार लोगों से मिल रहे हैं। अभी तक इस इलाके के ज्यादातर लोगों की पहुंच परिवार के अन्य सदस्यों तक थी।

2024 में पूरा हो जाएगा राम मंदिर का निर्माण, विकास से पर्यटन के शिखर पर पहुंचेगी धर्मनगरी अयोध्या

लखनऊ। अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि पर भव्य राममंदिर का निर्माण वर्ष 2024 तक पूरा हो जाएगा। मौजूदा समय में मंदिर निर्माण का आधा से अधिक कार्य पूरा हो चुका है। संभवत- लोकसभा चुनाव 2024 से पहले मंदिर में रामलला विराजमान कर विधिवत पूजा अर्चना शुरू हो जाएगी। एक ओर राम मंदिर दुनिया भर की आस्था का केंद्र बनेगा, वहीं योगी सरकार ने रामनगरी को विश्व के आध्यात्मिक पर्यटन के नक्शे पर नई पहचान दिलाने के लिए 'दिव्य अयोध्या-भव्य अयोध्या'बनाने की योजना बनाई है।

योगी सरकार ने वर्ष 2017 में पहली बार अयोध्या में दीपोत्सव का भव्य आयोजन कर साफ संकेत दिया था कि अयोध्या सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। अब वोट बैंक की राजनीति के चक्कर में अयोध्या के विकास के साथ कोई समझौता नहीं होगा। अयोध्या में राम मंदिर का शिलापूजन होने के बाद से सरकार रामनगरी के विकास में जुटी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने साफ किया है कि पर्यटन के नक्शे पर अयोध्या शीर्ष पर रहे।

सभी देशवासियों को बीपीएस न्यूज परिवार की ओर से नवर्ष 2023 की हार्दिक शुभकामनाएं

सम्पादकीय

समृद्ध होगा लोकतंत्र

रिमोट वोटिंग सिस्टम का तैयार होना निस्संदेह चुनाव प्रक्रिया को प्रवासी मतदाताओं की सुविधा के अनुरूप बनाने की दिशा में अभिनव कदम है, लेकिन जरूरी है कि व्यवस्था पारदर्शी हो। यह कदम राजनीतिक दलों को भरोसे में लेकर ही उठाया जाना चाहिए ताकि ईवीएम विवाद जैसे मुद्दे फिर न उभरें। इसके क्रियान्वयन से पहले इससे जुड़े कानूनी, प्रशासनिक तथा तकनीकी पक्षों पर गहन मंथन जरूरी है। इस प्रक्रिया में भाग लेने वाले मतदाताओं के वोट को निष्पक्षता और पारदर्शिता से अंजाम देना भी अपरिहार्य है। निस्संदेह आरवीएम चुनाव सुधारों की राह भी प्रशस्त करती है। दरअसल, चुनाव आयोग ने उन मतदाताओं की सुविधा के लिये रिमोट इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन विकसित की है जो कामकाज के सिलसिले में अपने मूल स्थानों से दूर-दराज के इलाकों में रह रहे हैं। जाहिरा तौर पर अपना काम-धंधा छोड़कर और आवागमन का खर्च करके वोट डालने जाने में लाखों लोग गुरेज करते हैं। श्रमिक वर्ग की सोच रहती है कि कई दिन की दिहाड़ी मारी जायेगी। वहीं राजनेताओं की विश्वसनीयता का क्षरण भी उसे उद्वेलित करता है। आम धारणा होती है कि सामाजिक सरोकारों के प्रति जनप्रतिनिधियों का रवैया संवेदनशील नहीं रहता। ये स्थिति करोड़ों मतदाताओं को मतदान स्थल पहुंचने के लिये प्रेरित नहीं करती। ग्रामीण क्षेत्रों व कस्बों में रोजगार का गिरता ग्राफ करोड़ों लोगों को देश के विभिन्न भागों में काम करने के लिये जाने को बाध्य करता है। वैसे भी मौजूदा आर्थिक परिदृश्य में घर के पास मनमाफिक रोजगार मिल पाना सहज भी नहीं है। हर व्यक्ति की योग्यता के अनुरूप काम अपना घर-बार छोड़कर ही मिल सकता है। मगर मन में यह भाव रहता है कि वे लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा बनें। निस्संदेह रिमोट इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन विकसित होने की पहल से उनकी आकांक्षा पूरी हो सकेगी और उनका आर्थिक नुकसान भी नहीं होगा। अब चुनाव आयोग की पहल के बाद देश के करोड़ों लोगों में चुनाव प्रक्रिया में भागीदारी का उत्साह फिर से कायम हो पायेगा (बहुत संभव है कि चुनाव आयोग की इस पहल के बाद विभिन्न क्षेत्रों में मतदान प्रतिशत में वृद्धि हो। कालांतर में ऐसी व्यवस्था देश में की जानी चाहिए कि अल्पकाल के लिये यात्रा में निकले, वृद्ध व बीमार मतदाताओं को सुविधानुसार मतदान का अधिकार मिले। दरअसल, मतदान के दौरान यातायात,मौसम व अन्य बाधाओं के कारण बड़ी संख्या में लोग मतदान केंद्रों तक नहीं पहुंच पाते। लोगों की इच्छा तो होती है कि वे लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भाग लें। लेकिन चाहकर भी परिस्थितिवश वे भाग नहीं ले पाते। यही वजह है कि देश में करोड़ों व्यक्ति इच्छा होने के बावजूद मतदान नहीं कर पाते। निस्संदेह, आने वाले वर्षों में आयोग की इस पहल के सिरे चढ़ने के बाद मतदान के प्रतिशत में अपेक्षित सुधार हो सकेगा। विश्वास है कि देश का राजनीतिक वर्ग इस पहल का स्वागत करेगा। हाल के दिनों में ईवीएम मशीनों को लेकर जैसी राजनीति की जाती रही है, वह भी मतदाताओं का उत्साह कम करती है। यह विडंबना ही है कि देश की चुनाव प्रक्रिया जिन विद्रूपताओं और विसंगतियों से जूझ रही है उसे दूर करने के लिये राजनीतिक दलों द्वारा ईमानदार पहल होती नजर नहीं आती है।

गंगा-जमुनी संस्कृति की ही बहे बयार

क्या यही सब 'इतनी शक्ति हमें देना दाता' लिखने वाले गीतकार अभिलाष ने नहीं लिखा? आइए, ज़रा इस प्रार्थना पर भी नज़र डाल लें- प्रार्थना मन के विश्वास को कमज़ोर न होने देने की कामना के साथ शुरू होती है। फिर अज्ञान के अंधेरे को दूर करने की बात है। फिर कहा गया है हम हर बुराई से बचें और फिर खुशियों के फूल सबको बांटने की कामना की गयी है। इकबाल ने कहा था, 'दूर दुनिया का अंधेरा हो जाये', अभिलाष ने लिखा है, 'दूर अज्ञान के हों अंधेरे'।

बचपन में, यानी स्कूल में पढ़ाई के दौरान एक प्रार्थना बोली जाती थी हमारे स्कूल में 'हे प्रभु, आनन्ददाता ज्ञान हमको दीजिए, शीघ्र सारे दुर्गुणों को दूर हमसे कीजिए...'। यह प्रार्थना सब बच्चे मिल कर करते थे। इनमें मेरा दोस्त मिर्जा भी शामिल था। उन्हीं स्कूली दिनों की बात है, स्काउट-शिविरों के दौरान सवेरे-सवेरे उठने के बाद हम प्रार्थना किया करते थे, जिसमें इस आनन्ददाता वाली प्रार्थना के साथ चार पंक्तियों की एक अंग्रेज़ी प्रार्थना भी होती थी, जिसमें कहा गया था 'थैंक यू गॉड फॉर एवरी थिंग।' यह 'अधिकृत' प्रार्थना थी या नहीं, मैं नहीं जानता, पर इतना ज़रूर जानता हूं कि गॉड को शुक्रिया कहने वाली यह बात हमारे स्काउट-टीचर को बहुत अच्छी लगी थी।

स्कूली-प्रार्थना वाली ये बातें आज अखबार में एक समाचार पढ़ के अचानक याद आ गयीं। समाचार उत्तर प्रदेश के बरेली जिले के एक गांव फरीदपुर के सरकारी स्कूल से जुड़ा है। खबर के अनुसार रोज़ सवेरे स्कूल में होने वाली प्रार्थना 'इतनी शक्ति हमें देना दाता...' के स्थान पर एक दिन किसी अध्यापक ने 'सारे जहां से अच्छा हिंदोस्तां हमारा' के रचयिता अल्लामा इकबाल की लिखी प्रार्थना करवा दी। पता नहीं क्यों और कैसे किसी की भावनाएं आहत हो गयीं और उसने संबंधित अधिकारियों को शिकायत कर दी। शिकायत को सुना ही नहीं गया, उस पर तत्काल कार्रवाई भी हुई और स्कूल के शिक्षा मित्र और प्रधानाध्यापिका को तत्काल सज़ा भी दे दी गयी। अब वह शिक्षामित्र हैं और स्कूल की प्रधान अध्यापिका निलबिंत हैं! सोशल मीडिया के इस युग में यह बात उस गांव तक ही सीमित कैसे रहती। बात फैल गयी। हिंदू-मुस्लिम की बातें होने लगी हैं। इकबाल की लिखी प्रार्थना के 'अल्लाह' का विरोध हो रहा है! षड्यंत्र की बू आ रही है कुछ लोगों को इस प्रार्थना को गवाये जाने में! प्रभु की जगह अल्लाह से कुछ मांगना कुछ लोगों को गवारा नहीं है!

और मैं सोच रहा हूं, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने क्या सोचकर 'ईश्वर अल्लाह तेरो नाम...' को एक मंत्र की तरह स्वीकार किया था? गांधीजी के आश्रम में सवेरे-सवेरे होने वाली प्रार्थना-सभा में गीता भी पढ़ी जाती थी, कुरान भी, बाइबिल भी... कभी किसी ने इसका विरोध नहीं किया। गांधीजी कहा करते थे, बात तो उस शक्ति को पुकारने की है जिसने यह विश्व रचा है। आप उसे गॉड कह लो, या ईश्वर या अल्लाह, क्या फर्क पड़ता है लेकिन फर्क पड़ रहा है कुछ लोगों को इसमें। ऐसे लोगों का मानना है कि 'ईश्वर ही है तेरा नाम...' ईश्वर को किसी और नाम से याद करने में इन्हें षड्यंत्र दिखता है। आइए, ज़रा देखें अल्लामा इकबाल द्वारा रचित पंक्तियों में कहा क्या गया है। उर्दू में लिखी यह 'प्रार्थना' शुरू होती है एक 'तमन्ना' से जिसमें खुदा से कहा गया है कि वह 'मेरी ज़िंदगी' को उस शमा की तरह बना दे जिससे 'दूर दुनिया का अंधेरा हो जाये, हर जगह मेरे दम से उजाला हो जाये।' इकबाल ने आगे लिखा है, हे रब, मेरी ज़िंदगी परवाने की तरह हो और ज्ञान की मशाल से मुझे प्यार हो, मेरा काम गरीबों की हिमायत करना हो। इस प्रार्थना की आखिरी पंक्तियां हैं 'मेरे अल्लाह बुराई से बचाना मुझको/ नेक जो राह हो उस पे चलाना मुझको।' इस प्रार्थना में इकबाल ने जो कुछ भी लिखा है उसमें किसी की भावनाओं के आहत होने की जगह कहां है? खुदा या रब या अल्लाह जैसे शब्दों में किसी षड्यंत्र की गंध क्यों आ रही है किसी को? कैसे किसी को इन शब्दों में बच्चों को इस्लाम की ओर आकर्षित करने की कोशिश दिखाई दे रही है?क्या यही सब 'इतनी शक्ति हमें देना दाता' लिखने वाले गीतकार अभिलाष ने नहीं लिखा? आइए, ज़रा इस प्रार्थना पर भी नज़र डाल लें- प्रार्थना मन के विश्वास को कमज़ोर न होने देने की कामना के साथ शुरू होती है। फिर अज्ञान के अंधेरे को दूर करने की बात है। फिर कहा गया है हम हर बुराई से बचें और फिर खुशियों के फूल सबको बांटने की कामना की गयी है। इकबाल ने कहा था, 'दूर दुनिया का अंधेरा हो जाये', अभिलाष ने लिखा है, 'दूर अज्ञान के हों अंधेरे'। ईश्वर से शक्ति मांगने की प्रार्थना में 'हर बुराई से बचते रहें हम' कहा गया है और इकबाल ने अल्लाह से मांगा है, 'मेरे अल्लाह, बुराई से बचाना मुझको।' यह कैसी समझ है हमारी जिसने ईश्वर और अल्लाह शब्दों को हिंदू और मुसलमान बना दिया है? क्या संस्कृत के श्लोक सिर्फ हिंदुओं की बात करते हैं और अरबी की आयतें मुसलमानों के लिए ही हैं? सच पूछा जाये तो यह भाषा को हिंदू और मुसलमान बनाने का षड्यंत्र है। बच्चों के दिमाग़ में यह बात बिठाना कि ईश्वर हिंदू है और अल्लाह मुसलमान अपने आप में किसी अपराध से कम नहीं है। यह सोच अपराध कर रहा है और सज़ा फरीदपुर के स्कूल की शिक्षामित्र और प्रधानाध्यापिका को मिल रही है !मैं नहीं जानता उत्तर प्रदेश के इस गांव का नाम फरीदपुर किस आधार पर रखा गया है, पर पंजाब में एक सूफी संत हुए थे फरीद, जिन्होंने इंसानियत का उपदेश दिया था, एक-दूसरे से प्यार करने का पाठ पढ़ाया था, मनुष्य मात्र की सेवा को जीवन का उद्देश्य कहा था। इस तरह की सारी बातें हम कैसे भूल जाते हैं? स्कूली-प्रार्थना वाली ये बातें आज अखबार में एक समाचार पढ़ के अचानक याद आ गयीं। समाचार उत्तर प्रदेश के बरेली जिले के एक गांव फरीदपुर के सरकारी स्कूल से जुड़ा है। खबर के अनुसार रोज़ सवेरे स्कूल में होने वाली प्रार्थना 'इतनी शक्ति हमें देना दाता...' के स्थान पर एक दिन किसी अध्यापक ने 'सारे जहां से अच्छा हिंदोस्तां हमारा' के रचयिता अल्लामा इकबाल की लिखी प्रार्थना करवा दी। पता नहीं क्यों और कैसे किसी की भावनाएं आहत हो गयीं और उसने संबंधित अधिकारियों को शिकायत कर दी। जब इकबाल कहते हैं कि 'दूर दुनिया का मेरे दम से अंधेरा हो जाये' या जब अभिलाष अज्ञान के अंधेरे के दूर होने की बात करते हैं तो वे सबके लिए उजाला मांग रहे हैं। सूरज का उजाला सबके लिए है, बरखा की बूंदें सबको तृप्त करती हैं, फूल सबके लिए खिलते हैं।जब मैं स्कूल में पढ़ता था तो मुझे नहीं पता था कि जो प्रार्थना हम रोज़ सवेरे बोला करते हैं, वह किसके आदेश का निर्देश से निर्धारित की गयी है। इस तरह का निर्धारण कतई ग़लत नहीं है, पर यदि कुछ बेहतरी के लिए कहीं कुछ जोड़ दिया जाता है तो उसे हिंदू-मुसलमान में बांट कर देखना ग़लत है। दुर्भाग्य से हमारे देश में अब कहीं-कहीं ऐसा हो रहा है। कभी हम रंगों को हिंदू-मुसलमान बना देते हैं, कभी भाषा को धर्मों से जोड़ देते हैं। ग़लत है ऐसी हर कोशिश। फरीदपुर के उस स्कूल में प्रार्थना को बदलना कतई ज़रूरी नहीं था, पर इसे बच्चों को इस्लाम की ओर आकर्षित करने की कोशिश के रूप में देखना भी सही नहीं है। धर्म बांटता नहीं, जोड़ता है। इसे यूं भी कहा जा सकता है- धर्म आदमी को आदमी के नज़दीक लाने के लिए होना चाहिए, एक-दूसरे से दूर करने के लिए नहीं। ईश्वर, अल्लाह, गॉड एक ही शक्ति के अलग-अलग नाम हैं। इन शब्दों को सांप्रदायिकता से जोड़ना अपने अपने आप में एक अपराध है। फरीदपुर की शिक्षा मित्र ने अपराध नहीं किया था, अपराध वे कर रहे हैं जिन्हें अल्लाह से धार्मिक भावनाओं के आहत होने का खतरा लग रहा है- ईश्वर अल्लाह तेरो नाम, सबको सन्मति दे भगवान!

बीता यह वर्ष और नूतन वर्ष से अपेक्षा एवं संभावनाएं..!

पंकज कुमार मिश्रा (जौनपुर)

कैसे शुभकामनाएं कह दूं सबको शाम को गुलजार होने वाली रौनक बाजारों मे घूघरूं की खनक मै किसी के अरमानों को खनकते सिक्कों के बीच दबा दिया जाता है यह क्रम लगातार चल रहा है।रात ढलते ही मुरझाए फूलो की तरह अपनी बेबसी पर आंसू बहाती किसी उध्दारक की प्रतीक्षा मे है। लेकिन इतना के बाद भी एक तपस्वी पर भरोसा है जो ममता मयी मां के निधन के बाद भी पीड़ा को जज्ब कर।हित राष्ट्र हित के लगातार काम कर रहा है।

लगभग हर वर्ष 31 दिसंबर को यह घोषणा होती है की फलाना वर्ष बीत गया नए वर्ष पर नया संकल्प नए विचार के साथ मिलना होगा किंतु हर वर्ष की यही कहानी होती है । यह वर्ष 2022 बीत गया , इस वर्ष ने बहुत कुछ खट्टी मीठी यादें सजोने को दिया , कई सीख दिया ,कही अच्छे दोस्त दिए और कई मित्र छीन लिए । अगर हम ऐसे हर वर्ष का आंकलन करें तो पाएंगे कि हिसाब किताब बराबर रहा पूरे वर्ष ।आगामी वर्ष 2023 सबके लिए मंगलमय हो । दस साल पहले तक जब मैं बस जौनपुर में रहता था तो मैं बहुत जोर का शिक्षक था । मेरा खाना कोई और पकाता था । कपड़े कोई और धोता, सुखाता और तह करता था । बरतन कोई और धोता था ।अपने हाथों को मलते हुए उस बूढ़ी दीवार ने चुनौतीपूर्ण लहजे में ये भी कहा कि तुम अब अपने अस्तित्व की चिन्ता करो तुम्हें दीवारें तो नज़र आ रही हैं लेकिन उन दीवारों पर लिखी इबारतें तुम नहीं पढ़ पा रहे हो ।ख़ुदा की क़सम इतिहास गवाह है वह क़ौमें नेस्त व नाबूद हो गयीं जो वक़्त की दीवार पर लिखी इबारतें नहीं पढ़ सकीं। इतना सुन कर मुझे एक झटका सा लगा,जैसे मेरी साँसें अटकी जा रही हैं,मेरे पैरों के नीचे से ज़मीन सरक गयी है और मैं सीधे पाताल की ओर तेज़ी से जा रहा हूँ,क़रीब था कि मेरी साँसें रुक जातीं और मेरी इहलीला ही समाप्त हो जाती कि मेरे कानों से एक आवाज़ टकराई !चाय लीजिये卐और मेरी नींद खुल गयी ।सामने बेटा चाय की ट्रे लिये खड़ा था और मैं पसीने से शराबोर बिस्तर पर पड़ा था ।हमारे यहां राशन-सब्ज़ी कोई और ख़रीदता था। झाड़ू-पोछा, गाड़ी की सफ़ाई, बाथरूम-टॉयलेट की सफ़ाई, घर से जाले हटाने, कचरा फेंकने, पौधों की देखभाल करने जैसे सभी कामों के लिए नौकर होता था। फिर 2021 में मैं वाराणसी रहने आ गया । यहां अधिकतर लोग अपने घर के सारे काम ख़ुद करते हैं ,तो हम भी करते हैं ।सब्ज़ी-राशन ख़ुद ख़रीद के लाते हैं ।सुबह-दोपहर-शाम अपना खाना बनाते हैं । चौका-बरतन साफ़ करते हैं ।डस्टिंग करते हैं. झाड़ू-पोछा लगाते हैं ।बाथरूम-टॉयलेट साफ़ करते हैं ।छोटे-मोटे बिजली, कारपेंट्री, और प्लंबर के काम भी ख़ुद कर लेते हैं । गंदे कपड़ों को मशीन में धोते हैं, सुखाते हैं, इस्तरी करते हैं और तह करके रखते हैं। सुबह उठ कर बिस्तर ख़ुद ठीक करते हैं। फ्रिज साफ़ करते हैं । बग़ीचे में पानी डालते हैं ।लॉन में घास की कटाई ख़ुद करते हैं ।कार धोते-पोंछते हैं । पेट्रोल पंप पर गाड़ी में पेट्रोल भी ख़ुद भरते हैं, कोई अटेंडेंट नहीं होता वहाँ। पूरी ज़िंदगी इंडिया में कभी अपनी गाड़ी में ख़ुद से पेट्रोल नहीं भरा । और इतने सालों में अमेरिका में आज तक अटेंडेंट से नहीं भरवाया । अपने घर का कचरा जमा करके, उसे बैग में डाल कर, ख़ुद ही कूड़ा गाड़ी में डाल के आते हैं । मेरे अड़ोस-पड़ोस में ये आम नज़ारा है। गोरा या काला, हर कोई ऐसा ही है। किसी को भी अपने काम करने में कोई शर्म नहीं है । लिबरल विचारधारा वाले हों या कंज़र्वेटिव वाले, जवान या बुड्ढे, आदमी या औरत, लगभग सभी अपने घर के सारे काम करते हैं । रोज़ ही देखते हैं कि जो लोग पालतू कुत्ते को बाहर पाख़ाना कराने ले जाते है वो प्लास्टिक की थैली साथ रखते हैं और जैसे ही कुत्ता पाख़ाना कर लेता है तो फ़ौरन सफ़ाई से उस पाख़ाने को प्लास्टिक में उठा कर कचरे में फेंक देते हैं। मैं तो ऐसे लोगों को भी जानता हूँ जिन्होंने अपने घर की ख़ुद की है ।घर की दीवारों की पुताई ख़ुद कर लेना तो यहाँ आम है । वाराणसी में होटल जाओ तो अपने कमरे तक अपना सामान ख़ुद ले जाना होता है क्योंकि वहाँ नौकर नहीं होता है । कार किराये पर लो तो कोई ड्राइवर नहीं मिलता है, ख़ुद ही चलाना होता है और किलोमीटर के हिसाब से पैसे देने होते हैं । अमेरिका में सरकारी अधिकारियों के घर कोई नौकर-चपरासी नहीं होता है। उनको कोई सरकारी घर भी नहीं मिलता है । ज़्यादातर लोग भी अपने घर के काम ख़ुद करते हैं क्योंकि उनकी सैलरी उतनी नहीं होती है कि दो-चार नौकर रख लें । क्योंकि घूस खाने वाला चाहे जो हो जेल भेज दिया जाता है इसलिए ऊपर की कमाई करना जोखिम का काम है और आम नहीं है। जितने मिडिल क्लास अमेरिकी लोगों को मैं जानता हूँ वो अधिकतर बहुत मेहनती और कर्मठ हैं. कई लोग एक नौकरी में गुज़ारा नहीं कर पाते हैं तो दो-तीन एक्सट्रा काम उठाते रहते हैं ।न मेहनत से कतराते हैं और न ही किसी काम को छोटा मानते हैं । पिछले दिनों मैं एक सोशल क्लब की एक पार्टी में गया था जहाँ कोई स्कूल टीचर था, कोई बिज़नेसमैन था और एक स्कूल बस का ड्राइवर था । सब मिलजुल कर ठहाका लगा रहे थे । मेरा एक पड़ोसी मेरी उम्र का है और पुलिस में काम करता है ।वो भी घर के अंदर के और बाहर के सारे काम ख़ुद करता है । वाराणसी में ज़्यादातर मिडिल क्लास लोग दिहाड़ी मजदूर बनते हैं क्योंकि एक नौकरी से कमाई पूरी नहीं होती है । नए साल से पहले मैं गांव मे विस्तर पर सोने की कोशिश कर रहा हूँ कि भीतर से किसी ने सरगोशी की %अरे नया साल आ रहा है शुभकामनाएं नहीं दोगे।

स्वरकोकिला लता मंगेशकर पर आधारित अलौकिक गीत विश्वस्वरमाउली का लोकार्पण सम्पन्न

मास्टर दीनानाथ मंगेशकर के 122वीं जयंती पर विले पार्ले, मुम्बई स्थित दीनानाथ मंगेशकर नाट्यगृह में कवि डॉ. दीपक वज़े द्वारा रचित हृदयनाथ मंगेशकर के संरक्षण और मार्गदर्शन के तहत निर्मित स्वरकोकिला लता मंगेशकर पर आधारित अलौकिक गीत %विश्वस्वरमाउली% का लोकार्पण 29 दिसंबर को प्रसिद्ध बांसुरी वादक पंडित हरि प्रसाद चौरसिया और गायिका उषा मंगेशकर ने किया। इस अवसर पर मंगेशकर परिवार के आदिनाथ मंगेशकर और मुम्बई भाजपा अध्यक्ष आशिष शेलार भी उपस्थित थे। आर्यन इंस्टीट्यूट ऑफ चेस एंड आर्ट एक्सीलेंस के बैनर तले एमआईटी-एडीटी विश्वविद्यालय के विशेष सहयोग से हृदयेश आर्ट्स के संचालक अविनाश प्रभावलकर द्वारा प्रस्तुत और टाइम्स म्यूजिक के बैनर तले निर्मित इस गीत का छायांकन किया है तुषार पांके ने। इस समारोह में अजय मदान द्वारा संयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में केतकी मटेगांवकर, सवानी रवींद्र, प्रियंका बर्वे और विभावरी आप्टे जोशी द्वारा लता मंगेशकर के लोकप्रिय गीतों को भी प्रस्तुत किया गया।

प्रस्तुति : काली दास पाण्डेय

NOTICE

IT IS INFORMED TO THE GENERAL PUBLIC THAT IN THE CERTIFICATES MY ICSE BOARD HIGH SCHOOL EXAMINATION YEAR 2019 UNIQUE ID. 7015383 FATHER'S NAME RAJESH TIWARI AND MOTHER'S NAME SADHNA TIWARI HAS BEEN WRONGLY INTERED INSTEAD OF RAJESH KUMAR TIWARI AND MOTHER'S NAME SADHANA TIWARI. E-3 L-25 DEEN DAYAL PURAM KANPUR. AMAN TIWARI S/O RAJESH KUMAR TIWARI

आओ कोविड-19 को नव वर्ष 2023 में जड़ से मिटाने का प्रण लें

गोंदिया। स्तरपर वर्ष 2023 का जोरदार ढंग से स्वागत हर देश ने अपने अपने स्तर पर खुशियां मना कर किए। जिन देशों में कोविड-19 लहर के नएवेरिएंट की तीव्रता छाई हुई है वहां अपेक्षाकृत गमों का मातम छाया रहा जैसा कि टीवी चैनलों पर दिखाया गया। परंतु भारत में पश्चिम पूर्व से पश्चिम तक, उत्तर से दक्षिण तक और कश्मीर से कन्याकुमारी तक नव वर्ष 2023 का जोरदार ढंग से स्वागत किया गया। एक टीवी चैनल पर वर्ष 2023 का 23 रिपोर्टरों के माध्यम से अनेक राज्यों की नव वर्ष मनाने की ग्राउंड रिपोर्ट दिखाई गई, जहां भारत के नागरिक तो बहुत उत्साहित दिख रहे थे पर विदेशों से भी भारी संख्या में नागरिक दिखाए गए जो अपने गृह राज्य में नए साल की खुशियां परिवार के साथ मनाने आए थे।2 वर्षों के बाद नव वर्ष 2023 का जश्न मनाने का मौका मिला था। चूंकि पिछले 2 वर्षों से कोविड महामारी की विभिशक्ता के चलते केंद्र व राज्य सरकारों द्वारा सख्त़ प्रतिबंधों का पालन कराया जा रहा था, परंतु 2023 हर भारतीय नागरिक के लिए मानों खुशियों की सौगात लाया हो, बूढ़े से बच्चे तक हर व्यक्ति काफी खुश देख रहे थे। मैंने अपने निवास स्थान की छत से देखा तो चारों तरफ रात्रि 12 बजे पटाखों की धमाचौकड़ी व आवाजें सुनाई और दिखाई दी सारा देश मानों सुप्रीम कोर्ट का 10 बजे वाला आदेश अपनी मौज मस्ती में भूल सा गया था, वहीं शासन-प्रशासन भी कोविड उचित व्यवहार का पालन करवाना मानों भूल गया था या फिर जनता को खुशियां मनाने का एक मौका देना चाहता था। खैर जो भी हो लेकिन हमनें वर्ष 2023 का स्वागत कर जश्न में डूबे और चारों तरफ खुशियां ही खुशियां बांटे और अपनी खुशियों की सुगंध बिखेरे। परंतु अब हमें सतर्क रहना है क्योंकि कोविड अभी गया नहीं है बल्कि तेज़ी से फैल रहा है जिसका परिणाम हम चीन सहित कुछ देशों में देख रहे हैं। 1 जनवरी 2023 से भारत ने भी कुछ देशों से आने वालेयात्रियों पर कुछ नियमों को लागू किया है, इसलिए अब हर नागरिक का कर्तव्य बन जाता है कि हम कोविड उपयुक्त व्यवहार को पालन करने में सहभागिता निभाएं और ऐसा प्रण करें कि वर्ष 2023 के प्रथम 6 माह में ही कोविड को जड़ से मिटा दें। लेकिन यह सब हम सबके मिलकर सहभागिता से करना संभव होगा। साथियों बात अगर हम तेजी से फैल रहे कोरोना महामारी के नए वेरिएंट बीएफ-7 की भारत में तैयारियों की करें तो पिछले कई दिनों से हम मीडिया के माध्यम से देख सुन रहे हैं कि माननीय पीएम और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हाई लेवल की मीटिंग कर रहे हैं, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री द्वारा राज्यों के स्वास्थ्य मंत्रियों, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के डॉक्टरों, फर्मेसिटिकल क्षेत्र के महत्वपूर्ण लोगों से जुड़े संगठनों सहित अनेक क्षेत्रों से जुड़े संगठनों जिनका कोविड-19 से लड़ाई करने में सहभागिता लाभदायक है, सभी कर पुरजोर कोशिश कर रहे हैं कि भारत को सुरक्षित रखा जाए और फैलने पर सभी स्वास्थ्य सेवाओं को अलर्ट कर दिया गया है। परंतु हम जनता का भी अब कर्तव्य बन जाता है कि हम भी इन तैयारियों रूपी यज्ञ में अपनी सहभागिता रूपी आहुति अर्पण करें, क्योंकि शासन ने हमें 2023 वर्ष मनाने में सहयोग किया कोई सख्त़ी नहीं की, अब बारी हमारी है कि कोविड नियमों का पालन कर सहभागिता कर शासन को सहयोग करें। साथियों बात अगर हम कोरोना महामारी से लड़ाई में जनता के सहयोग की करें तो, कोरोन की लड़ाई हमेशा लोगों द्वारासंचालित रही है। देश में समय-समय पर अपनी शक्ति का प्रदर्शन किया है कि एक सौ पैतीस करोड़ लोग एक साथ क्या कर सकते हैं। जनता कर्फ्यू के साथ महामारी से लड़ने से लेकर दुनिया के सबसे बड़े वैक्सीन अभियान में योगदान देने तक, भारत पूरे जोश के साथ इस वायरस के खिलाफ प्रमुख सुरक्षा में वायरसों से लड़ा है। हम 2023 में प्रवेश कर चुके हैं और हम ओमिक्रॉन बीएफ़-7 की चुनौती का सामना कर रहे हैं। इस लड़ाई को नए सिरे से ऊर्जा और ताकत की जरूरत है। हमें एक बार फ़िर एक साथ आने की जरूरत है, ताकि वायरस के प्रसार को रोका जा सके और अपने लोगों की रक्षा जा सके। वायरस के खिलाफ प्रमुख सुरक्षा में से एक मास्क का उपयोग, हाथ धोने, सामाजिक दूरी और बंद स्थानों को हवादार करने के साथ कोविड के उचित व्यावहार का पालन करना है।

एडवोकेट किशन भावनानी

नये साल में

नये साल में जिंदगी के नये तरीक़े इजाद कीजिए।
दूसरों पर रखीं उम्मीदें समेट कर खुद पर उम्मीद कीजिए।
नये साल में जिंदगी के नये तरीक़े इजाद कीजिए।
एक -एक ग्यारह जरूर होते है।
एक बनकर अपनी कीमत की पहचान कीजिए।
गलत -गलत...... गलत का ।
जब शोर मचा हो।
मैं सही हूँ...... इस बात पर हमेशा गौर कीजिए।
नये साल में जिंदगी के नये तरीक़े इजाद कीजिए।
उम्मीदें जब टूटती हैं जिंदगी जब बिखरती हैं।
उन सभी उम्मीदों को फिर से जोड़ने का काम कीजिए।
नये साल में जिंदगी के नये तरीक़े इजाद कीजिए।
आप...... जिंदा हो यह बात कबूल कीजिए।
अपने टूटे हुए टुकड़ों से सपनों का नया ढांचा तैयार कीजिए।
अकेले तुम ही लड़ोगे।
राह में साथ कुछ पल ही मिलेंगे।
जिंदगी की लड़ाई के लिए खुद को हिम्मत से तैयार कीजिए।
हर साल नये साल आते रहेगें तुम हर साल में नया शाहकार इजाद कीजिए।

प्रीति शर्मा असीम
हिमाचल प्रदेश

जीत

तू सोच अच्छा
तू कर अच्छा
तू देख अच्छा
तू सुन अच्छा।
तू विचार अच्छा
तू शांत बन
तू धैर्य रख
तू तर्क कर
तू विवेकशील बन
तू मननशील बन
तू सत्य पर चल
तू खुद पर विश्वास रख
तू ईश्वर को सुन
फिर तेरी जीत निश्चित है

अमित डोगरा
कांगडा, हिमाचल प्रदेश

कमियों को परखने के लिए प्राचार्य के नेतृत्व में हुआ मार्क ड्रिल

बीपीएस

कानपुर। जीएसवीएम मेडिकल कालेज के प्राचार्य डा0 संजय काला के नेतृत्व में बाल रोग विभागध्यक्ष डा0 यशवंत राव एवं एसआईसी डा0 आर.के.मौर्या ने स्टॉफ के साथ मार्क ड्रिल किया। मार्क ड्रिल में एक बच्चे पर प्रयोग किया गया और बताया कि किस तरह से हम किसी गम्भीर बच्चे को जो कोविड एवं अन्य किसी गम्भीर बीमारी से पीडित होगा उसे तत्काल इलाज मुहैया करा उसे बचाने का काम किया जाएगा। बता दे कि बीते सोमवार को प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं चिकित्सा शिक्षा स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक ने पीडियाट्रिक पीआईसीयू का उद्घाटन किया था और मंगलवार को पूरे प्रदेश में स्वास्थ्य को लेकर मार्क ड्रिल करने की बात कही थी। प्राचार्य डा0 संजय काला के नेतृत्व में बाल रोग विभागध्यक्ष डा0 यशवंत राव व प्रमुख अधीक्षक डा0 आर.के.मौर्या तथा स्टॉफ के साथ मार्क ड्रिल किया। मार्क ड्रिल के लिए एक बच्चे पर किया गया। किस तरह से गम्भीर बच्चा जब अस्पताल आता है तो उसके किस प्रकार से इलाज दिया जाए। इसके लिए सबसे पहले बीमारी से पीडित बच्चे को स्ट्रेचर पर लिटा कर लिफ्ट से तीसरी मंजिल पर पहुंचे जिसके बाद उन्होंने अत्याधुनिक पीडियाट्रिक वार्ड पहुंच कर बच्चे को हाईटेक बेड पर लिटाया और उसे आक्सीजन लगाई इसके साथ ही आक्सीमीटर लगा कर बच्चे का आक्सीजन लेवल चेक किया तथा जरूरी दवाएं देने के लिए डाक्टरो और स्टॉफ को बताया। प्राचार्य प्रो0 डा0 संजय काला ने बताया कि मार्क ड्रिल को करने का मुख्य उद्देश्य था कि हम जब किसी गमभीर बच्चे को इलाज के लिए लाते है तो जो भी कमियां या जो भी उपकरणो की आवश्यकता पडती है वह समय पर उपलब्ध है कि नही साथ ही बीमार बच्चो को दी जाने वाली जीवन रक्षक दवाएं भी मौजूद होनी जिसके लिए पूरी तरह से वार्ड को सुज्जित कर दिया गया है। इलाज के दौरान कभी कभी काफी परेशानियां डाक्टरों को आ जाती है,लेकिन पावर ग्रिड द्वारा उपलटध कराए गए आधनिक उनकरणो से अब बेहतर इलाज देने के लिए सांसाधनो से जूझना नही पडेगा। जो भी कमियां मिलती है उसे दूर करना ही चिकित्सालय का और मार्क ड्रिल का उद्देश्य है।

कांग्रेस के 138वें स्थापना दिवस को सभी वार्डों में मनाया गया

कानपुर। आज शहर कांग्रेस कमेटी, कानपुर उत्तर द्वारा अपनी पूर्व घोषित अखिल भारतीय कांग्रेस के 138वें स्थापना दिवस को सभी वार्डों में भव्य रूप से आयोजित किया गया। जिसके अन्तर्गत प्रत्येक वार्ड में स्थापना दिवस में शहर कांग्रेस कमेटी के तरफसे भेजे गये मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिनिधियों ने समारोह में शिरकत की और वार्ड के वरिष्ठ कांग्रेसजनों, समाजसेवियों, रंगकर्मी, युवा एवं प्रबुद्धजनों को सम्मानित किया गया तथा कांग्रेस के इतिहास पर श्री नौशाद आलम मंसूरी जी ने प्रकाश डालते हुये कहा कि वर्तमान की गोद में भूत को देखकर भविष्य पलता है। हर कांग्रेसजन को यह स्मरण रहना चाहिये कि जुल्म और नाइंसाफी के विरूद्ध हर कमजोर को ताकवर बनाने के उद्देश्य से ही कांग्रेस पार्टी का जन्म हुआ था। जिसमें पार्टी अपने 138 वर्ष पूरे कर चुकी है। जिसमें अनगिनत लोगो की कुर्बानी शामिल है। कांग्रेस के हर सिपाही को कांग्रेस पार्टी के उद्देश्य को जन-जन तक पहुंचाने के लिये समर्पित व संकल्पित होकर सफ्लता की ओर बढ़ना चाहिये जिससे भारत के बाबा भीमराव अम्बेडकर जी द्वारा रचित संविधान एवं गांधी, नेहरू, सरदार पटेल के सपनों के लोकतांत्रित मूल्यों की रक्षा की जा सके। जननायक के रूप में राहुल गांधी जी के नेतृत्व में निकल रही भारत जोड़ो यात्रा के उद्देश्य क प्राप्ति के लिये हम सबको दृढ़संकल्पित होना होगा। वार्ड स्तर में मनाये गये स्थापना दिवस समारोह में शहर कांग्रेस उत्तर की तरफसे श्री मदन मोहन शुक्ला, श्री महेश मेघानी, श्री लल्लन अवस्थी, जनाब सिराज कुरैशी, श्री पी0एस0 बाजपेई, डा0 आर0के0 जगत एवं श्री शैल शुक्ला जी ने प्रमुख रूप से पहुंचकर स्थापना दिवस को सम्पन्न कराया। आज के स्थापना दिवस कार्यक्रमों में प्रमुख रूप सेसन्तोष गुप्ता, अजय शुक्ला, नूर अहमद, शाहाबुद्दीन, शिवशरण बाजपेई, नीरज द्विवेदी, त्रिलोकी त्रिवेदी, इम्तियाज कुरैशी, दिलीप सिंह, इमरान कुरैशी,शिब्बू अंसारी, जावेद अनवर पप्पू, इदरीश अहमद, नफीस अहमद, मेराज अहमद, ताजुद्दीन, आतिफरहमानी, सुरेन्द्र तिवारी, मनोज गुप्ता, सुरेन्द्र सिंह भदौरिया, शशांक श्रीवास्तव, मो0 आमिर, इज़हारूल अंसारी, इरफान खान, शिव प्रसाद लोधी, मीना मिश्रा,किरन गुप्ता, विक्की चौहान आदि उपस्थित थें।

रोड कटिंग परमीशन में लापरवाही पर डीएम ने मांगा अधिकारियों से स्पष्टीकरण

बीपीएस न्यूज

कानपुर। जनपद में विभिन्न विकास कार्यो के लिए विभिन्न विभागों द्वारा की जा रही रोड कटिंग के आवेदनों के निस्तारण हेतु दो दिसम्बर से एकीकृत ऑनलाइन प्रणाली ऑनलाइन रोड कटिंग परमिशन सिस्टम लागू किया गया है, जिसके कार्यो की जिलाधिकारी विशाख जी द्वारा बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में समीक्षा करते हुए समस्त सम्बन्धित नोडल अधिकारियो को निर्देश दिए।समस्त नामित नोडल अधिकारी को उपलब्ध करायी गई लॉगिंग को उनके द्वारा दिन में दो बार लॉगिन कर प्राप्त आवेदन की जांच कर आख्या को समयबद्ध रूप से निस्तारित कराना सुनिश्चित करें। नगर निगम परमिशन समय से निस्तारण न किए जाने पर जोन 4 एवं जोन 5 के जोनल अभियंताओं का स्पष्टीकरण लेने के निर्देश अपर जिलाधिकारी को दिया गया।उन्होंने समस्त नामित नोडल अधिकारी को कड़े निर्देश देते हुए कहा कि लॉगिंग में प्राप्त आवेदनों को समय से निस्तारित कराएं और यदि कोई भी आवेदन उनके विभाग से संबंधित नहीं है तो तत्काल संबंधित विभाग का नाम अंकित करते हुए उसे ऑनलाइन फॉरवर्ड करें, ताकि संबंधित विभाग को पुन:प्रेषित किया जा सकें। प्रत्येक 7 दिनों में आइजीआरएस पोर्टल की तरह ही लॉगइन में प्राप्त आवेदनों की समीक्षा किए जाने के निर्देश अपर जिलाधिकारी नगर अतुल कुमार को दिए।

स्थापना दिवस पर मिला सम्मान, बुजुर्ग कांग्रेसियों के खिले चेहरे

बीपीएस न्यूज

कानपुर। अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी का 138वां स्थापना दिवस आवास विकास केशवपुरम स्थित श्री नारायण धाम गेस्ट हाउस में हर्षोल्लाष के साथ मनाया गया। इस मौके पर पूर्व एवं वर्तमान अध्यक्षों के साथ- साथ वरिष्ठ कांग्रेसियों और शहर के प्रमुख समाजसेवियों का फूल-माला एवं सॉल उढ़ाकर सम्मान किया गया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के स्थापना दिवस पर इस तरह का सम्मान समारोह कर श्री मर्तोलिया ने पुराने कांग्रेसियों को अभीभूत किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस (इंटक) संगठन को मजबूत करने के साथ-साथ अखिल भारतीय असंगठित कर्मचारी मजदूर यूनियन से जुड़े लाखों मजदूरों की हक़ की लड़ाई लड़ी जा रही है। उन्होंने केंद्र एवं प्रदेश सरकार मजदूर, नौजवान, किसान विरोधी है सिर्फ अनर्गल मुद्दे उठाकर यह जनता का ध्यान भटकाटी है। सम्मान समारोह में कांग्रेस दक्षिण के अध्यक्ष हरिकृष्ण भारती, उत्तर अध्यक्ष नौसाद आलम मंसूरी, ग्रामीण अध्यक्ष अमित पांडेय, पूर्व विधायक संजीव दरियावादी आदि कांग्रेसी मौजूद रहे।

गुरु के प्रकाशपर्व पर निकला नगर कीर्तन, बैंड ने बिखेरी जोशीली धुन

बीपीएस न्यूज

कानपुर। साहिब-ए-कमाल श्री गुरू गोबिंद सिंह महाराज के पावन 357वां प्रकाश पर्व का तीन दिवसीय समारोह का भव्य आगाज हुआ। मंगलवार को पहले दिन नगर कीर्तन गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा लाटूश रोड से आरम्भ होकर अपने परंपरागत मार्ग बांसमंडी, डिप्टी का पड़ाव, जरीब चौकी, कालपी रोड, फजलगंज, गुरु तेग बहादुर मार्ग, कबाड़ी मार्केट, गुरु गोबिंद सिंह चौक, गुरूद्वारा कीर्तनगढ़, अशोक नगर, अमर जवान ज्योति चौक से होता हुआ मोतीझील पार्क में धार्मिक दीवान में परिवर्तित हो गया।श्री गुरु ग्रंथ साहिब की छत्र छाया व पंज प्यारों की अगुवाई में कीर्तन निकाला गया।कड़ी सुरक्षा के बीच निकले नगर कीर्तन के बीच दशमेश शस्त्र दल के सेवादार गतका का प्रदर्शन किया गया। बैंड वादक सूरा सो पहचानिए जो लरे दीन के हेत, पुर्जा पुर्जा कट मरे कभूं न छाडे खेत को प्रस्तुत करते हुए चल रहे थे। गुरु गोबिंद सिंह जी के जीवन वृतांत पर आधारित झांकियों को भी नगर कीर्तन में शामिल किया गया। फौजी बैंड ने पूरे नगर कीर्तन मार्ग पर अपनी कलात्मक प्रस्तुति दी। गुरु नानक बॉयज इंटर कॉलेज नारायण, गुरु नानक गर्ल्स विद्यालय इंटर कालेज, गुरु नानक नर्सरी स्कूल, गुरु नानक पब्लिक स्कूल, गुरु नानक गर्ल्स इंटर कालेज सुंदर नगर समेत अन्य स्कूलों के बच्चों ने गुरु पर्व की झांकियों निकली। तीन दिवसीय गुरु पर्व समारोह के बुधवार को पंथ के महान रागी जत्थे व प्रचारक संगत को गुरुवाणी से निहाल करेंगे। वहीं लंगर की सेवा भी आरंभ होगी जहां गुरु पर्व पर लाखों लोग एक पंगत एक संगत के सिद्धांत के अनुरूप लंगर छकेंगे।

यूपीपीसीएल में प्राइवेट कंपनी रेव की मनमानी न शासन का डर न प्रशासन का

बीपीएस न्यूज

कानपुर। किदवाई नगर,गोविन्द नगर निकट दारोगा चौराहा यू पी डी220/33चङ्क जी. आई. एस बिजली घर का निर्माण कार्य यूपी पीटीसीएल के द्वारा प्राइवेट लि. कम्पनी रेव द्वारा कराया जा रहा है। जिस कम्पनी के एमडी. प्रदीप जिंदल, मैनेजर विनय शर्मा, व साइट इंजी. शशिकान्त यादव हैं। रेव ने एक अनुबन्ध द्वारा श्री सागर एण्ड सागर इन्फ्राटेक के प्रोपराइटर हरीश कुमार / राम सागर मौर्य 352/2 मर्दन खेड़ा राजाजी-पुरम लखनऊ को दिया है। हरीश कुमार के द्वारा सिविल का कार्य पूरा करने के बाद उसकी बकाया राशि का भुगतान जो 2008196? है,कंपनी रेव ने नहीं किया है, तथा अपने भुगतान कराने की बात प्रदीप जिंदल से करने पर कहाँ गया था की आज कल करा देगें जो अभीतक नही हुआ है। जिसके कारण हरीश कुमार ने यूपीपीटीसीएल विभाग के चेयरमैन, प्रबंध निदेशक, अधिषाशी अभियन्ता आदि को रेवेन्यू द्वारा भुगतान न करने के संबन्ध में प्रार्थना पत्र भी दिया जिसकी सुनवायी विभाग के द्वारा नही हुई साथ-ही-साथ कानपुर बर्रा थाने में भी प्रार्थना पत्र दिया जिसकी कोई सुनवायी नही हुई तथा इसके बजाये पुलिस ने इसे ही एमडी की सह पर परेशान कर रही है। तथा साईट पर हरीश कुमार के टीएनपी का सामान भी रेव के एमडी प्रदीप जिंदल के कहने पर इंजी. शशिकान्त यादव ने सारा सामान उठवा लिया। जिसकी कीमत करीब 2 लाख रु है तथा उसके स्टाफ को भी भगा दियाभुगतान न होने पर हरीश कुमार आर्थिक और मानसिक रूप से बहुत परेशान है ,और वो शासन प्रशासन और बिजली विभाग से रेव के एमडी प्रदीप जिंदल से अपने भुगतान करवाने का आग्रह कर रहा है इसलिए वह विवश है।

असहाय लोगों को कम्बल का किया वितरित

कानपुर। अत्यधिक ठंड, शीतलहर, घना कोहरा होने के दृष्टिगत मध्यरात्रि शहर के मुख्य चौराहों, रैन बसेरों एवं चयनित अलाव स्थलों का जिलाधिकारी द्वारा औचक निरीक्षण कर निराश्रित असहाय लोगों को कम्बल वितरण किया गया निरीक्षण के दौरान उन्होंने नगर निगम के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि समस्त रैन बसेरों में पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित किया जाए।

सर्दियों में पशुओं के बचाव हेतु अतिरिक्त देखभाल की आवश्यकता:डॉ पीके

बीपीएस न्यूज

कानपुर। सीएसए के पशुपालन एवं दुग्ध विज्ञान विभाग के प्रोफेसर डॉ पीके उपाध्याय ने पशु पालकों हेतु एडवाइजरी जारी करते हुए बताया की सर्दियों में पशुओं के बचाव के लिए अतिरिक्त देखभाल की आवश्यकता होती है। जिससे पशुओं का स्वास्थ्य सही रखने के साथ ही साथ दुग्ध उत्पादन पर भी प्रभाव न पड़े। डॉ उपाध्याय ने बताया कि पशुपालकों को इस समय सचेत रहने की आवश्यकता है इसके अतिरिक्त यदि पशुओं के नाक व आंखों से पानी आ रहा हो तथा पशु को सांस लेने में परेशानी हो रही हो व पशु कांपने लगा है तो पशुपालक को समझ लेना चाहिए कि पशुओं को निश्चित रूप से सर्दी लग गई है ।उन्होंने सलाह दी है कि पशुओं को सीधी सर्दी से बचाने के लिए पशुओं को ऐसे स्थान पर रखें कि पशु को सीधे हवा का असर न हो ।पशुशाला के हमेशा दरवाजे व खिड़कियों पर जूट के बोरे या प्लास्टिक के पर्दे लगा दे। उन्होंने सावधान करते हुए बताया कि रात में पर्दे गिरा कर रखें व दिन में पर्दे समेट दें। जिससे दिन में पशुओं को सीधे सूर्य की धूप मिलेगी। पशुशाला में अधिक से अधिक गर्माहट रखी जाए। मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने बताया की डॉक्टर उपाध्याय ने कहा है कि पशुसाला की साफ-सफाई तथा 2 या 3 दिन पर कीटाणु नाशक से धुलाई करें। पशुओं को सर्दी में अतिरिक्त ऊर्जा की आवश्यकता होती है इसके लिए 300 ग्राम गुड प्रति पशु प्रतिदिन अवश्य खिलाये। तथा हमेशा पशुओं को ताजा पानी पिलाएं ठंडा पानी कदापि न दें। इसके अतिरिक्त 1 किलो अतिरिक्त दाना की भी आवश्यकता होती है। यदि पशुओं में अफरा रोग हो जाता है तो पशुओं को 400 से 500 ग्राम सरसों का तेल तथा 50 से 60 मिली तारपीन का तेल पिलाने से आराम मिलता है। उन्होंने कहा पशुओं में यदि कोई समस्या हो तो निकटतम पशु चिकित्सक से अवश्य परामर्श करें।

जिलाध्यक्ष को भावभीनी श्रद्धांजलि

कानपुर। समाजवादी पार्टी कानपुर ग्रामीण कार्यालय नवीन मार्केट में समाजवादी पार्टी कानपुर ग्रामीण के जिलाध्यक्ष रहे चौधरी नाहर सिंह यादव की पुण्य तिथि उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किये गए। विचार गोष्ठी को संबोधित करते हुए निवर्तमान जिलाध्यक्ष राघवेन्द्र सिंह यादव ने कहा कि सिंह सच्चे समाजवादी व पार्टी के मजबूत नेता थे। जिले में उनके नेतृत्व में हुये सन के विधानसभा चुनाव में कानपुर ग्रामीण की पांच में से चार विधानसभा से समाजवादी पार्टी के विद्यायक चुनाव जीते थे। उन्होंने बिल्हौर नगर पालिका में अपने छोटे भाई चौधरी निर्भय सिंह यादव को चुनाव जितवाकर अध्यक्ष बनवाया था

वीरेंद्र स्वरूप इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज के एल्युमिनाई छात्राओं का स्वागत

बीपीएस न्यूज

डॉ. वीरेन्द्र स्वरुप इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज, किदवई नगर कानपुर में सत्र 2017-19, 2018-20 एवं 2019-21 की एल्युमिनाई छात्राओं का स्वागत व अभिनंदन करने हेतु पूर्व छात्र सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के आयोजन का उद्देश्य विगत सत्रों की रैंकर्स छात्राओं, सत्रभर कालेज में सक्रिय छात्राएं जिन्हें स्टार परफार्मेन्स के रूप में नामित किया एवं प्राइड आफ इंस्टीट्यूट में वे छात्राएं शामिल थीं जो कि कालेज महाविद्यालय में लेक्चरर विभागाध्यक्ष, प्राचार्या व निदेषक के पद पर आसीन हैं।

अत: इस कार्यक्रम का उद्देष्य ऐसी छात्राओं का उनके गरिमापूर्ण कृतित्व हेतु न केवल सम्मानित करना था बल्कि वर्तमान सत्र की छात्राओं को भी इसी प्रकार नित नवीन ऊंचाइयों को छूने हेतु प्रेरणा प्रदान करना भी है ताकि वे इस संस्थान में प्रशिक्षण प्राप्त कर अपनी प्रेरणास्रोत इन बहनों की तरह उच्च पदों पर आसीन होकर देश के सर्वांगीण विकास में अपनी सहभागिता सुनिश्चित कर सकें व कुशल एवं प्रभावी शिक्षिका बनकर इस संस्थान का नाम रोशन कर सकें।कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान के सचिव माननीय गौरवेन्द्र स्वरूप जी, श्रीमती अनंता स्वरुप जी (सदस्य प्रबंध समिति) तथा प्राचार्या डा. पूनम मदान तथा आए हुए अतिथियों द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन, माल्यार्पण एवं वंदना के साथ हुआ। यह हमारे संस्थान का सौभाग्य है कि माननीय सचिव महोदय द्वारा इन बीएड छात्राओं की अंतर्निहित क्षमताओं के विकास हेतु सतत प्रेरणा दी जाती है, जिसके कारण ही यह छात्राएं यहां से प्रशिक्षण प्राप्त कर प्रतिष्ठित संस्थानों में नियुक्त होकर नाम रोशन करती हैं। कार्यक्रम में आए हुए अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ, प्रतीक चिह्न भेंटकर किया गया। आमंत्रित अतिथियों में कानपुर नगर की एसीएम प्रथम आकांक्षा गौतम, श्री धर्मेन्द्र कुमार सिंह जी (प्रेसीडेन्ट रोटरी क्लब आफ कानपुर मैट्रो तथा साहवेस के संस्थापक), डा. जागृति सिंह (मेन्टर एण्ड स्पेशलिस्ट् मेंटली रिटार्डेड चिल्ड्रन), डा. पूनम सिंह (प्राचार्या के.के. कालेज) रहे। आए हुए सभी अतिथियों ने छात्राओं को प्रेरित करते हुए आशीर्वचन प्रदान किए।प्राचार्या जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि मुझे अपनी इन पूर्व छात्राओं की सफलता को देखकर उसी प्रकार आह्लाद का अनुभव हो रहा है जैसे एक माली को पुष्पित व पल्लवित हुयी कली को देखकर होता है। उन्होंने सभी छात्राओं के सुखद भविष्य की संकल्पना को साकार करते हुए उन्हें भविष्य के दर्पण में ऐसी प्रभावी षिक्षिका बनने हेतु प्रेरित किया, जिससे इस संस्थान को नाम व प्रसिद्धि मिले।

अब बारी थी इस कार्यक्रम के मूल उददेश्य अर्थात विगत सत्रों 2017-19, 2018-20 एवं 2019-21 की एलुमिनाई की। इन पूर्व छात्राओं को अतिथियों द्वारा प्रतीक चिह्न व सर्टीफिकेट प्रदान कर सम्मानित किया गया। इसी कड़ी में 2020-22 के रैंकर्स का भी सम्मान किया गया। इसी इंस्टीट्यूट में प्रशिक्षण प्राप्त कर विविध कालेजों, महाविद्यालयों में अध्यापिका के रूप में कार्यरत हमारी प्राइड आफ इंस्टीट्यूट छात्राओं को भी प्रतीक चिन्ह व उपहार भेंटकर गौरवान्वित किया। तत्पश्चात 2017-19, 2018-20, 2019-21 के रजिस्टर्ड सभी एल्युमिनाई को सम्मानित किया गया। इस प्रकार सम्मान पाकर इन छात्राओं का उत्साह देखते बनता था। सभी छात्राएं इस प्रकार का सम्मान पाकर अत्यन्त आह्लादित थीं व भविष्य में इसी प्रकार उच्च महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति हेतु कृत संकल्प दिखाई दे रहीं थी। अब बारी थी इस इंस्टीट्यूट में कार्यरत लगनशील शिक्षिकाओं व शिक्षकों के सम्मानित करने की। अत: प्राचार्या जी ने सभी प्रशिक्षक प्रशिक्षिकाओं को प्रतीक चिह्न व उपहार भेंटकर सम्मानित किया। तत्पश्चात कालेज के स्टाफ को उपहार भेंटकर सम्मानित किया।

कार्यक्रम में उपस्थित सभी पूर्व छात्राओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। इसके साथ ही किसी कारणवष इस कार्यक्रम में जो पूर्व छात्राएं न आ सकीं उन्होंने वीडियो तैयार कर फीडबैक दिया था। सभी अपनी प्राचीन स्मृतियों को साझा करने के लिए उत्सुक प्रतीत हो रहीं थी। अत: उन्हें उनके अनुभवों को साझा करने हेतु क्रमश: मंच पर आमंत्रित किया गया।

स्वागत सम्मान के उपरान्त विगत सत्रों की छात्राओं के सम्मान व मनोरंजन हेतु वर्तमान सत्र की छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक व रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन डा. अनीता शर्मा जी के द्वारा किया गया। धन्यवाद ज्ञापन डा. सीमा मिश्रा द्वारा किया गया।

विद्यार्थी परिषद का 62वां अधिवेशन संपन्न

बीपीएस न्यूज

कानपुर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का 62 वां प्रांत का चार दिवसीय अधिवेशन 28 से 31 दिसंबर तक वीएसएसडी कॉलेज में होगा। इस अधिवेशन की जानकारी देते हुए प्रांत मीडिया संयोजक दिनेश कुमार ने बताया कि मां गंगा के तट पर स्थित विक्रमाजीत सनातन धर्म विद्यालय में यह अधिवेशन आयोजित होगा। जिसमें 21 जिलों से 1000 कार्यकर्ता भाग लेंगे। जिस का समापन 31 को होगा।कई वर्षों से लगातार रचनात्मक कार्यों में विद्यार्थी परिषद अग्रणी रही है। शिक्षा के क्षेत्र में कुछ नया करने के लिए प्रयास करती है। कार्यक्रम में उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय के साथ-साथ अन्य लोग भी मौजूद रहेंगे।

पिछड़ो के आरक्षण पर कुठाराघात कर रही सरकार : डॉ इमरान

कानपुर। उत्तर प्रदेश नगर निकाय चुनाव में भाजपा सरकार की अनियमितताओं के कारण पिछड़ो के आरक्षण पर कुठाराघात हुआ है। सरकार आरक्षण देना नहीं चाहती और ना ही चुनाव कराना चाहती हैं इसलिए लगातार जनमानस के हकों पर हमला कर रही है। आज आरक्षण विरोधी भाजपा निकाय चुनाव में ओबीसी आरक्षण के विषय पर घड़ियाली सहानुभूति दिखा रही है।

मंदिर की शान कलुषित हो जाने से बचाये जाने की मांग

कानपुर। श्री बालाजी महाराज मंदिर के प्रमुख प्रदीप राज शर्मा ने कानपुर प्रेसक्लब में वार्ता करते हुए बताया कि फीलखाना स्थित बाला जी मन्दिर की संपत्ति पर व उनके हिस्से के एक लाख उन्यासी हज़ार रुपये हड़पने के इरादे से उनकी भाभी शिवदुलारी पत्नी स्व0 पृथ्वी राज शर्मा और उनकी बेटी ज्योति तथा दामाद अनिल द्वारा मिल कर साजिश रची गई वार्ताकार ने बताया कि साजिश के तहत तीन फर्जी दस्तावेज स्व0 पृथ्वीराज शर्मा के पक्ष में गोदनामा हिब्बानामे व वसीयतनामा तैयार किए गए। जबकि शिवदुलारी ने स्वयं को लिखित रूप में स्वीकार किया था कि प्रदीप राज को बकाया राशि देनी है। फर्जी दस्तावेजों की जानकारी पर वार्ताकार ने मुख्यमंत्री के पोर्टल पर को भेजा व 7 नवम्बर को पुलिस कमिश्नर को शिकायत दर्ज की। पुलिस द्वारा मुकदमा दर्ज नहीं किया गया। इससे उत्साहित होकर आरोपी मन्दिर परिसर में खुलेआम गुंडई, अराजकता व दबंगई कर रहेहैं। इससे मन्दिर की प्रतिभा कलुषित हो रही है, साथ ही कभी भी अप्रिय घटना घट सकती है ।

अंजनी माता भक्त मंडल द्वारा 15 वां वार्षिकोत्सव धूमधाम से नाना राव मस्कर घाट पर मनाया गया

बी पी एस न्यूज

कानपुर। नाना राव मस्कर घाट पर अंजनी माता भक्त मंडल द्वारा 15 वां वार्षिकोत्सव बड़ी ही धूमधाम से मनाया गया। मंदिर प्रांगण में श्रीमद् भागवत गीता का आयोजन हुआ। जिसमें अयोध्या से आई हुई कथावाचक शिवप्रिया ने श्रीमद् भागवत गीता कथा का बड़ा ही मनभावन वर्णन किया।

साथ ही कई तरह की झांकी का भी आयोजन किया गया जिसमें राम कथा, कृष्ण कथा, रुक्मणी विवाह, सुदामा चरित्र की झांकी दिखाई गई। सुविख्यात गायकों द्वारा सुंदर भजनों की छटा बिखेरी गई। गायक सोनू सुरीला, राजू कुलकर्णी, साहिल, सज्जन दुबे, काजल, शिवम वर्मा, यश दुबे ने अपने भजनों से सभी का मन मोह लिया।इसके बाद गंगा मैया में चुनरी चढ़ाई गई तत्पश्चात गंगा मैया को दीपदान किया गया। भक्तों को प्रसाद वितरण किया गया। कार्यक्रम में भंडारे का भी आयोजन किया गया।

जोकि भंडारा 12ः00 से शाम तक चलता रहा। भंडारे में प्रसाद के रूप में हलवा, पूरी ङ्क सब्जी का वितरण किया गया।

कार्यक्रम में आए हुए सैकड़ों भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया और गंगा मैया की जय के जय कारे लगाएं। दीपदान कार्यक्रम में सम्मिलित हुए अतिथियों का सम्मान विक्रम अवस्थी, अरुण अस्थाना, सतीश शर्मा, राजकमल सिंह द्वारा मोमेंटो और पटका पहनाकर किया गया। बालाजी मंदिर के महंत अनुभव पांडे का भी सम्मान किया गया। मुख्य रूप से राजेंद्र प्रकाश, विजय, सुभाष, रोहित, विकास, वरदान, अजय, मनोज, सतीश, सुनील। महिला मंडल से आशा, कमलेश, ममता, निशा, सुनीता, शैलजा, अलका, श्वेता, मोनिका, रेनू, संगीता आदि लोगों ने कार्यक्रम को सफल बनाया।

नगर निगम की टीम ने बाबू पुरवा में चलाया अतिक्रमण अभियान

बी पी एस न्यूज–कानपुर। नगर निगम की टीम ने बाबू पुरवा क्षेत्र में अतिक्रमण अभियान चलाया और अतिक्रमण करने वालों से यूजर चार्ज वसूल किया।

नगर आयुक्त के आदेश पर लगातार अतिक्रमण अभियान चलाया जा रहा है। जानकारी जॉन 3 के जोनल अधिकारी राधेश्याम पटेल ने दी। पटेल ने बताया कि दुकानदार अपनी दुकान के आगे सड़कों पर सामान डालकर कब्जा किए हुए हैं।जिसे खाली कराया गया है और आगे ना फैलाने की चेतावनी देते हुए यूजर चार्ज वसूल किया गया। जॉन 3 किदवई नगर बाबू पूर्वा कॉलोनी स्थित भारत सेवक समाज स्कूल के सामने आनंद गुप्ता द्वारा सड़क और फुटपाथ पर मलबा डालकर अवैध कब्जा किया गया था।जिसे हटाया गया साथ ही 5000 का जुर्माना वसूल किया गया। इसी तरह आसपास कुछ और लोग कब्जा किए हुए थे, जिन्हें हटाया गया और 5000 यूजर चार्ज वसूल किया गया। कुल 10000 यूजर चार्ज वसूल किया गया।

ठंड से राहत दिलाने के लिए जोनल अधिकारी ने चौराहों पर जलवाया अलाव, किया रैन बसेरों का निरीक्षण

बी पी एस न्यूज

कानपुर। ठंड से राहगीरों को राहत दिलाने के लिए नगर निगम की टीम ने जॉन 3 के जोनल अधिकारी राधेश्याम की अगुवाई में चौराहों पर अलाव जलवाए।साथ ही रैन बसेरों का निरीक्षण किया। जोनल अधिकारी राधेश्याम ने उस्मानपुर रेन बसेरा, भल्ला रेन बसेरा, ढकना पुरवा रेन बसेरा का निरीक्षण किया। अलाव जलाने गयी टीम ने बाकरगंज चौराहा, किदवई नगर चौराहा, ट्रांसपोर्ट नगर, नौबस्ता चौराहा, साईं मंदिर किदवई नगर, सोटे वाला हनुमान मंदिर किदवई नगर में अलाव जलवाया।

दलित उत्पीड़न की तर्ज पर दिव्यांग उत्पीड़न एक्ट बनाया जाए

बी पी एस न्यूज

कानपुर। भारतीय जागृति मिशन दिव्यांग संघ के तत्वाधान में दिव्यांग जनों की विभिन्न समस्याओं के समाधान कराए जाने हेतु 15 सूत्री मांग पत्र माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी को जिलाधिकारी कानपुर नगर श्री विशाख जी के माध्यम से प्रेषित किया गया ज्ञापन मांग पद के माध्यम से भारतीय जागृति मिशन दिव्यांग संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिनेश कुमार गुप्ता एवं सर्व दिव्यांग महिला सशक्तिकरण सेवा संस्थान के अध्यक्ष रेनू गुप्ता ने ज्ञापन मांग पत्र के माध्यम से बताया कि दिव्यांग जनों को प्राथमिकता के आधार पर आवास प्रदान किया जाए साथ ही दिव्यांग विधवा वृद्धा की लगने वाली आय को तत्काल समाप्त किया जाए यह कि दिव्यांग जनों को नगर निकाय पंचायती राज विधानसभा लोकसभा के चुनाव में 6त्न आरक्षण प्रदान किया जाए यह कि दिव्यांग जनों को ?5000 पेंशन प्राथमिकता के आधार पर प्रदान किया जाए यह कि दिव्यांग जनों को सरकारी विभागों के बाहर दुकानें जगह निशुल्क आवंटित किया जाए यात्री एलिम्को कानपुर नगर के द्वारा दिव्यांग मोटर मोटराइज्ड ट्राई साइकिल प्रदान की जाती है जिसकी क्वालिटी बहुत ही खराब है और बहुत ही कम समय तक चलती है मोटराइज्ड साइकिल के पार्ट्स बहुत ही महंगे होने के कारण दिव्यांग जनों को काफी समस्याओं का सामना करना पड़ता है मांग किया गया कि उपरोक्त पार्ट्स तथा साथ ही रिपेयरिंग निशुल्क किया जाए यह कि दिव्यांग जनों को स्वास्थ्य हेतु आयुष्मान कार्ड जारी किया जाए यहां की दिव्यांग जनों को राशन की दुकानें पेट्रोल पंप आवंटित किया जाए या कि दिव्यांग जनों को आरक्षण 25त्न प्रदान किया जाए या की फर्जी प्रमाण पत्र बनाने वालों के ऊपर कठोर कार्रवाई की जाए साथ ही दिन यूडी आईडी कार्ड को एक ही स्थान पर कैंप के माध्यम से बनाया जाए यह कि दिव्यांग जनों के लिए अधिनियम 2016 के प्रचार प्रसार हेतु प्रत्येक थानों में सूचना व बैनर पोस्टर लगाया जाए या कि दलित उत्पीड़न की तर्ज पर दिव्यांग उत्पीड़न एक्ट एक्ट बनाया जाए या कि दिव्यांग जनों के लिए एक विशेष योग जन भवन बनाया जाए जिसमें दिव्यांग जनों को परीक्षा ठहराव प्रतियोगिता में काम आ सकें या की समस्त उत्तर प्रदेश में दिव्यांग जनों को विशेष अभियान चलाकर 6 महीने के भीतर बैकलॉग भर्ती की जाए या कि दिव्यांग जनों के लिए समानता का अधिकार कानून बनाया जाए ज्ञापन मांगपत्र देने वालों में प्रमुख रूप से दिव्यांग संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिनेश कुमार गुप्ता रेनू गुप्ता अध्यक्ष सर्व दिव्यांग महिला सशक्तिकरण सेवा संस्थान उत्तर प्रदेश मुकेश सिंह भदौरिया वीरेंद्र सिंह भदौरिया अमित कुमार मोहम्मद जावेद आसिफ अली कुलदीप कुमार संतोष कुमार पवन जयसवाल जिला अध्यक्ष उन्नाव आदि समस्त पदाधिकारी गण मौजूद रहे।

मंदिर से तीस किलो घंटे चोरी, जांच में जुटी पुलिस

घाटमपुर। कोतवाली क्षेत्र के नंदना चौकी क्षेत्र के पतरसा गांव के किनारे स्थित प्राचीन पातालेश्वर महादेव मंदिर परिसर में रहने वाले पुजारी प्रकाशानंद ने बताया कि बीती देर रात उन्होंने एक युवक को मंदिर में देखा तो शोर मचाया था, शोर सुनकर युवक भाग गया था, उन्होंने बताया कि रोज की तरह सुबह जब वह मंदिर में भगवान महादेव की पूजा करने गए तो मंदिर में लगे पीतल के लगभग तीस किलो घंटे चोरी हो चुके थे, जिसकी सूचना उन्होंने फोनकर नंदना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी जुटाई है। इससे पहले भी एक बार यहां पर मंदिर से घंटे चोरी हो चुके है, जिनका अभी तक कुछ पता नहीं चल पाया है। मामले में घाटमपुर थानाध्यक्ष रामबाबू ने बताया कि घंटे चोरी की जानकारी नहीं है।

दो दिवसीय एथलीट्स प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

बीपीएस न्यूज

कानपुर। सीएसए द्वारा दीक्षोत्सव कार्यक्रम के अधीन विश्वविद्यालय स्तरीय दो दिवसीय एथलीट्स प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें महिला एवं पुरुष वर्ग का भाला फेंक, गोला फेंक तथा चक्का फेंक आदि परंपरागत खेलों का आयोजन किया गया। उक्त खेलों में स्नातक, परास्नातक व शोध छात्र छात्राओं द्वारा प्रतिभाग किया गया।एथलीट काउंसलर डॉश राजीव द्वारा बताया गया कि पुरुष वर्ग के अंतर्गत गोला फेंक प्रतियोगिता में 65 छात्रों ने प्रतिभाग किया। जिसमें शोध छात्र प्रदीप कुमार यादव द्वारा 12.90 मीटर दूर गोला फेंक कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। तथा विकास तेवतिया 11.70 मीटर के साथ द्वितीय तथा सिद्धार्थ सिंह 11.40 मीटर के साथ तृतीय स्थान पर रहे। महिला वर्ग में 5.90 मीटर गोला फेंक कर दिव्या कौशिक प्रथम स्थान पर रही तथा अवंजी (5.70 मीटर) द्वितीय तथा श्रव्या (5.10 मीटर) तृतीय स्थान पर रहीं। डॉश राजीव द्वारा अवगत कराया गया कि पुरुष वर्ग में भाला फेंक प्रतियोगिता के अंतर्गत 34 छात्रों द्वारा प्रतिभाग किया गया। जिसमें 37 मीटर दूर भाला फेंककर शोध छात्र रवि कुमार द्वारा प्रथम स्थान प्राप्त किया गया तथा 34 .7 मीटर के साथ सर्वमंगल वर्मा द्वितीय व 34.4 मीटर के साथ स्नातक छात्र मोहित तृतीय स्थान पर रहे। महिला वर्ग में शोध छात्रा शिवानी सिंह द्वारा 12.07 मीटर दूर भाला फेंक कर प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा दीपिका कटियार दूसरे (11.78 मीटर) एवं सुप्रज्ञा बाजपेई तीसरे (9.8 मीटर) स्थान पर रहीं।एथलीट काउंसलर द्वारा बताया गया कि चक्का फेंक प्रतियोगिता में 29 छात्रों द्वारा भाग लिया गया जिसमें प्रदीप कुमार यादव द्वारा 26.5 मीटर चक्का फेंककर प्रथम स्थान सुरक्षित किया। कुलदीप कुमार 22.70 मीटर तथा हर्षित सिंह 21.60 मीटर की दूरी के साथ क्रमश द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहे। महिला वर्ग में 16.55 मीटर चक्का फेंककर सुप्रज्ञा बाजपेई प्रथम स्थान पर तथा शिवानी सिंह द्वितीय (13.30 मीटर) एवं उषा (12.70 मीटर) तीसरे स्थान पर रही।

छात्र-छात्राओं द्वारा बड़े उत्साह के साथ खेलकूद प्रतियोगिता में भाग लिया।

ठंड को देखते हुए बांटे कम्बल व मास्क

बीपीएस न्यूज

कानपुर। कविता मास्टर कुकिंग क्लासेज और हैल्पिंग हैंड टीम की ओर से नौबस्ता स्थित बस्तियों के लोगों में 100 से अधिक कम्बलों का वितरण किया गया। आयोजक मास्टर शेफ कविता सिंह नें बताया कि पिछले 8 वर्षों इस सर्दियों के मौसम में नये कम्बलों का वितरण किया जाता आ रहा है। ऐसे में इस वर्ष भी ठंड से ठिठुरते लोगों को बचाने के लिए कम्बल बांटे गये। इसके साथ भविष्य में बढ़ते कोरोना के खतरे से बचाने के लिए सभी को मास्क भी बांटे गये और उन्हे स्वच्छता के प्रति जागरूक भी किया। तो वहीं छोटे बच्चों में खाद्य सामग्री बांटे गये।इस मौके पर ओम जन सेवा संस्थान की अध्यक्षा शिव देवी अग्रहरि(सीमा) ,शेफ निक्कू,शेफ मधु गुलाटी,गौरव शुक्ला,शेफ नैन्सी,शेफ मनमीत कौर,शशांक, अक्षत भट्ट,शेफ पूनम ओझा,शेफ अनन्या विज समेत अन्य लोग उपस्थित रहे।

यात्रीजन कल्याण समिति ने दिव्यांग जनों को दी व्हील चेयर

बीपीएस न्यूज

कानपुर । यात्री जन कल्याण समिति ने यात्रियों की सुविधा सुरक्षा और सम्मान को ध्यान में रखते हुए झकरकटी बस अड्डे पर दिव्यांग जनों को आने जाने में असुविधा को दृष्टिगत रखते हुए व्हीलचेयर समर्पित की। समिति इस तरह के कार्यक्रम यात्रियों के हित के लिए करती रहती हैं। कार्यक्रम में परिवहन निगम के टी आर वर्मा क्षेत्रीय सेवा प्रमुख के के आर्य के साथ दिव्यांग महेंद्र जो बस पर बैठने जा रहा था, उसको बिठाकर उसे स्टेशन पर खड़ी बस तक पहुंचाया गया। स्टेशन में व्हीलचेयर को देखकर स्टेशन के यात्रियों ने समित की सराहना की और अधिकारियों ने समिति के इस प्रयास के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। समिति के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि समिति प्रदेश अध्यक्ष जितेंद्र कुमार पांडे ने कहा कि समिति यात्रियों के सुविधा सुरक्षा सम्मान के लिए हर समय तत्पर रहेगी और ऐसे जनहित में यात्रियों के लिए कार्य करती रहेगी कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रदेश अध्यक्ष जीतेंद्र कुमार पांडे संरक्षक विकास अग्रवाल सचिव मंजू पांडे सुड्डू मिश्रा संतोष पांडे अंजुला अवस्थी रामानुज तिवारी दाताराम बृजेश मिश्रा निर्मल गुप्ता प्रेम मिश्रा आकाश दीक्षित स्मिता शुक्ला श्रेया पांडे संगीता आदि लोग उपस्थित रहे।

उच्च न्यायालय ने भारतीय जनता पार्टी की खोली पोल

बीपीएस न्यूज

कानपुर ।आम आदमी पार्टी कानपुर के प्रवक्ता एवं पूर्व पार्षद मदन लाल भाटिया ने उच्च न्यायालय की लखनऊ खंडपीठ द्वारा स्थानीय निकाय के चुनाव के संबंध में दिए गए निर्णय पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा की उत्तर प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी सरकार अपनी दयनीय स्थिति को देखकर पहले से ही चुनाव को टालने की प्रक्रिया में लगी थी। उल्लेखनीय है कि न्यायालय द्वारा कई बार मौका दिए जाने के बाद भी उत्तर प्रदेश की सरकार ने संविधान एवं व्यवस्था तथा कानून का भी मजाक उड़ाने का काम किया है।उच्च न्यायालय ने अपनी टिप्पणी में स्पष्ट रूप से परिलक्षित किया है कि उत्तर प्रदेश सरकार की नीति और नियत दोनों में खोट है। आम आदमी पार्टी के प्रवक्ता मदनलाल भाटिया ने स्पष्ट रूप से कहा की उत्तर प्रदेश सरकार का यह कृत्य उच्चतम न्यायालय के निर्देशों का भी उल्लंघन है, और संविधान के 74 में संशोधन के अनुपालन का भी उल्लंघन है। स्थानीय निकाय के चुनावो का टलना उत्तर प्रदेश के करोड़ों लोगों के अधिकारों का हनन है, यह पहले से ही लग रहा था कि भारतीय जनता पार्टी स्थानीय निकायों को प्रशासनिक अधिकारियों को सौंप कर ही स्थानीय निकाय के चुनाव कराना चाहती है।

इरफान सोलंकी के खिलाफ गैंगस्टर समेत तीन नये आपराधिक मामले दर्ज

बीपीएस न्यूज

कानपुर (उत्तर प्रदेश)। आपराधिक मामलों में जेल में बंद कानपुर नगर के सीसामऊ विधानसभा क्षेत्र से समाजवादी पार्टी (सपा) के विधायक इरफान सोलंकी के खिलाफ तीन नये आपराधिक मामले दर्ज किये गये हैं। सोमवार को पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। संयुक्त पुलिस आयुक्त (कानून-व्यवस्था) आनन्?द प्रकाश तिवारी ने सोमवार को बताया कि विधायक सोलंकी के खिलाफ जाजमऊ पुलिस थाने में उप्र गिरोहबंद अधिनियम (गैंगस्टर एक्ट)एवं जबरन वसूली व धोखाधड़ी के दो मामले दर्ज किये गये हैं, जबकि एक अन्य मामला ग्वालटोली पुलिस ने दर्ज किया है।

सोलंकी दो दिसंबर से जेल में बंद हैं। उन्होंने अपने छोटे भाई रिजवान के साथ एक भूमि विवाद मामले में दंगा और आगजनी का मामला दर्ज होने के बाद पुलिस आयुक्त के सामने आत्मसमर्पण कर दिया था।

विधायक पर 11 नवंबर को दिल्ली से मुंबई जाने के लिए फर्जी आधार कार्ड का इस्तेमाल करने का भी आरोप है। तिवारी ने बताया कि पुलिस ने सपा विधायक के जेल में बंद भाई रिजवान सोलंकी, जेल में बंद बिल्डर शौकत अली उर्फ पहलवान, हिस्ट्रीशीटर इजराइल उर्फ आटे वाला और मोहम्मद शरीफ के खिलाफ भी गैंगस्टर में मामला दर्ज किया है। इनकी गिरफ्तारी 19 दिसंबर को हुई थी।

संयुक्त पुलिस आयुक्त (जेसीपी)ने गैंगस्टर एक्ट लगाने के पीछे कारण बताते हुए कहा कि पुलिस जांच में पुष्टि हुई कि सपा विधायक इरफान सोलंकी ने जेल में बंद अपने भाई रिजवान, बिल्डर शौकत, हिस्ट्रीशीटर इजराइल उर्फ आटे वाला और मोहम्मद शरीफ को मिलाकर एक गिरोह बनाया था और वे मुख्य रूप से जमीन हड़पने व रंगदारी मांगने के मामले में शामिल थे। उन्होंने बताया कि सपा विधायक को गिरोह के नेता के रूप में दिखाया गया है जिसमें पांच सदस्य शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि सपा विधायक के गिरोह के अन्य सदस्यों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है और आपराधिक गतिविधियों में शामिल पाए गए लोगों के नाम भी मुकदमे में जोड़ने का निर्णय लिया गया है।

इसके अलावा जाजमऊ थाने में विधायक सोलंकी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 386 (मौत का डर दिखाकर जबरन वसूली), 419 और 420 (धोखाधड़ी), 427 (शरारत से नुकसान करना), 504 (जानबूझकर अपमान) और 3/4 सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान की रोकथाम के तहत एक अन्य मामला दर्ज किया गया है। इसमें विधायक के साथ ही जेल में बंद बिल्डर हाजी वसी उर्फवसी बिल्डर, कमर आलम और शाहिद लारी के खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि अगस्त, 2021 के एक मामले में एक उपनिरीक्षक द्वारा ग्वालटोली थाने मेंभारतीय दंड संहिता की धाराओं 147 (दंगा करना), 188 (लोक सेवक द्वारा जारी आदेशों की अवहेलना करना), 269 और 270 (लापरवाही से जीवन के लिए खतरनाक किसी भी बीमारी के संक्रमण को फैलाने की संभावना वाला कोई भी कार्य करना) 332 और 353 (स्वेच्छा से चोट पहुंचाना) और 504 (जानबूझकर अपमान) के तहत एक और प्राथमिकी दर्ज कराई गयी है। गौरतलब है कि ताजा तीन मामलों के साथ दो माह के भीतर सोलंकी के खिलाफ कुल आठ मामले दर्ज हुए हैं और अब उनके खिलाफ दर्ज मामलों की संख्या 18 पहुंच गयी है।

विधानसभा में वार्ड वार बैठक लगाने के दिए निर्देश

बीपीएस न्यूज कानपुर। बसपा मंडल कार्यालय नवीन मार्केट में मंडल स्तरीय बैठक की गई, जिसमे मुख्य अतिथि शमसुद्दीन राईन मंडल जोन इंचार्ज पश्चिमी प्रदेश, एवं कानपुर मंडल ने सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को एक जुट होकर नगर निकाय चुनावों की तैयारी में पूरी ताकत झोंक दे, हर विधानसभा में वार्ड वार बैठक लगाने के निर्देश दिए। बीपी अंबेडकर जी, राज कुमार कप्तान, संजय गौतम, मंडल जोन इंचार्ज, अनिल पाल, शैलेंद्र सचान, जितेन्द्र संख्वार, नरेंद्र कुशवाहा,राम नारायण निषाद, इमरान हाशमी, सुनील गुप्ता, एस पी टेक्ला, संदीप भगत,दीप सिंह, आदि साथी उपस्थित रहे जिलाध्यक्ष बबलू चौधरी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की ।

30 की उम्र में अगर आपकी स्किन भी पड़ गयी है ढीली

तो अपनाएं स्किन टाइटइनिंग के ये घरेलू उपाय

आजकल कम उम्र में कई कारणों से त्वचा ढीली पड़ सकती है जैसे उम्र बढ़ने के साथ-साथ यदि आप त्वचा की देखभाल नहीं करते है तो त्वचा में मौजूद कनेक्टिंग ऊतक कम होने लगते हैं। जिस कारण से स्किन में कसाव की कमी होने लगती है।

क्या आपकी त्वचा भी कम उम्र में ढीली होने लगी है? 30 की उम्र में ही क्या आपकी त्वचा पर भी झाइयां, झुर्रियां त्वचा का कसाव खत्म होने लगा है? यदि ऐसा है, तो आपको अपनी त्वचा का बेहद खास ख्याल रखने की जरूरत है। आजकल उम्र के 30 साल पार करते ही यदि त्वचा का ख्याल ना रखा जाए, तो ऐसे तमाम लक्षण नजर आने लगते हैं। यदि आप भी नहीं चाहते कि 30 की उम्र में ही आपकी स्किन ढीली पड़े या आप स्किन ढीली पड़ने की समस्या से परेशान है तो हम आपके लिए लाये है कुछ घरेलू उपाय जिन्हें अपनाकर आप अपनी स्किन को टाइट बना सकते हैं। तो आइए जानते है कम उम्र में स्किन ढीली पड़ने का कारण और स्किन को टाइट करने के उपाय।

किस कारण से होती है कम उम्र में ही त्वचा ढीली

आजकल कम उम्र में कई कारणों से त्वचा ढीली पड़ सकती है जैसे उम्र बढ़ने के साथ–साथ यदि आप त्वचा की देखभाल नहीं करते है तो त्वचा में मौजूद कनेक्टिंग ऊतक कम होने लगते हैं। जिस कारण से स्किन में कसाव की कमी होने लगती है। इसके अलावा बहुत देर तक धूप में रहने से, अनहेल्दी खानपान से, स्मोकिंग करने की से, ज्यादा मेंकअप करने से और रात में बिना मेकअप हटाकेर सोने जैसे आदि कारणों से भी त्वचा का कसाव कम हो जाता है और स्किन ढीली पदनी शुरू हो जाती है।

नारियल तेल का करें इस्तेमाल

नारियल तेल गुणों की खान है। यदि आप भी स्किन ढीली पड़ने किम समस्या से परेशान है, तो रोजाना रात में सोने से पहले नारियल तेल से चेहरे पर मसाज करना शुरू करें क्योंकि कई बार त्वचा में पाया जाने वाला कोलेजन और इलास्टिन के टूटने से भी त्वचा ढीली पड़ जाती है और नारियल तेल लगाने से कोलेजन बढ़ता है, त्वचा में कसाव आता है। इसलिए नारियल तेल से चेहरे पर मसाज करें।

लगायें बादाम का तेल

बादाम का तेल भी त्वचा के लिए बेस्ट माना जाता है। यह हमारी त्वचा को स्वस्थ रखता है।आजकल कई ब्यूटी प्रोडक्ट्स में भी बादाम का तेल इस्तेमाल किया जाता है। स्किन टाइट करने के लिए बादाम का तेल एक बेहतर विकल्प है। बादाम तेल में मौजूद इमोलिएंट स्किन की मृत कोशिकाओं को दोबारा से जीवित करता है और चेहरे पर ग्लो आता है। स्किन टोनर के साथ–साथ यह तेल त्वचा पर कसाव लाता है। इसके प्रयोग के लिए रात में सोने से पहले या दिन में नहाने से एक घंटा पहले बादाम के तेल से चेहरे पर मालिश करें। आप चाहे तो इस तेल से पूरे शरीर की भी मालिश कर सकती हैं।

करें टमाटर का प्रयोग

त्वचा टाइट करने के लिए आप टमाटर का उपयोग कर सकते हैं। इसमें मौजूद विटामिन सी, जो कि स्किन को लाभ देता है। टमाटर का जूस त्वचा पर लगाने से स्किन टाइट होती है और टैनिंग दूर होती है। इसके इस्तेमाल के लिए एक टमाटर को मिक्सी में पीस लें और इसका जूस छान लें। अब कॉटन से जूस को त्वचा पर अचछी तरह से लगाएं। 15 मिनट तक छोड़ दें और फिर पानी से चेहरा धो लें।

लगाएं दही का फेस मास्क

दही को बहुत लाभकारी माना गया है यह ना सिर्फ हड्डियों को मजबूत बनाती है बल्कि स्किन से संबंधित समस्याओं जैसे झुर्रियों, झाइयों, लकीरों, त्वचा का ढीलापन आदि को भी खत्म करती है। दही में मौजूद लैक्टिक एसिड डेड स्किन सेल्स को हटाता है और नई कोशिकाओं का निर्माण भी करता है इसके साथ ही स्किन पोर्स में कसाव लाता है। इसके प्रयोग के लिए एक चम्मच दही में नींबू का रस मिलाएं और इसे त्वचा पर लगायें और 15 मिनट के लिए सूखने दें। धीरे–धीर मसाज करें चेहरे की मसाज करें और फिर चेहरे को पानी से साफ कर लें।

ऑलिव ऑयल से करें ढीली त्वचा टाइट

जैतून का तेल या ऑलिव ऑयल स्किन में कसाव ला सकता है। ऑलिव ऑयल में मौजूद एंटी–एजिंग तत्व चेहरे को लाभ देते हैं। नहाने के बाद शरीर के साथ–साथ चेहरे पर भी जैतून का तेल लगाएं। सर्दियों के मौसम में त्वचा बहुत ड्राई, बेजान हो जाती है, इसके लिए आपको ऑलिव ऑयल का इस्तेमाल करना चाहिए।

आंखों के नीचे डार्क सर्कल्स को कर सकते हैं दूर

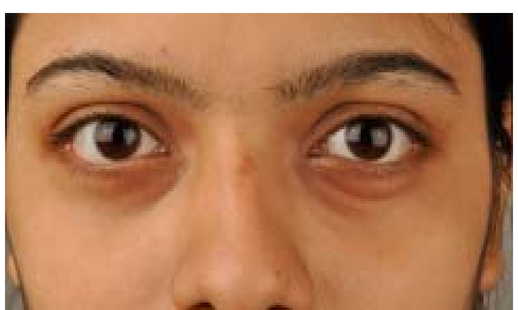

आंखों के नीचे अगर डार्क सर्कल्स हैं तो यह आपकी सुंदरता में दाग जैसे लगते हैं। आंखों के नीचे डार्क सर्कल नींद ना पूरी होने की वजह से या आंखों की थकान की वजह से भी हो सकते हैं। कोई लम्बी बीमारी भी इन डार्क सर्कल्स का कारण हो सकती है।आप चाहें कितने भी खूबसूरत हो लेकिन किसी भी तरह का दाग या धब्बा आपके चेहरे की खूबसूरती को बिगाड़ देता है। खासकर आंखों के नीचे अगर डार्क सर्कल्स हैं तो यह आपकी सुंदरता में दाग जैसे लगतें हैं। आंखों के नीचे डार्क सर्कल नींद ना पूरी होने की वजह से या आंखों की थकान की वजह से भी हो सकते हैं। कोई लम्बी बीमारी भी इन डार्क सर्कल्स का कारण हो सकती है। पानी की कमी है तो भी डार्क सर्कल यानि आंखों के नीचे काले घेरे हो जाते हैं। कभी कभी यह मेकअप से नहीं छुप पाते है इसलिए हम आज आपको कुछ ऐसे घरेलू उपाय जिससे आप इनसे आसानी से छुटकारा पा सकते हैं।

ठंडा दूध और गुलाब जल –दूध स्किन के लिए क्लीन्ज़र का काम करता है और स्किन को हाइड्रेट रखने का भी काम करता है। एक कटोरी में कच्चा दूध और एक चम्मच गुलाब जल मिक्स करें और कॉटन बॉल को इसमें भिगोकर आंखों पर दस से पंद्रह मिनट के लिए रखें। ध्यान रहें कॉटन बॉल से डार्क सर्कल्स का पूरा एरिया कवर हो जाये। उसके बाद साफ़ पानी से आंखों को साफ़ कर लें। ऐसा आप लगातार दो से तीन हफ्तों तक करें। आपको असर दिखने लगेगा।

शहद, नींबू और कच्चा दूध –एक कटोरी दूध में नींबू का रस मिलायें जब दूध फट जाये तो आधा चम्मच शहद मिलायें। अब इस मिश्रण से आंखों पर मसाज करें। थोड़ी देर तक ऐसे ही लगा रहने दें। दस से पंद्रह मिनट बाद साफ़ पानी से साफ़ करिये। अगर आप यह उपाय दिन में दो बार करते हैं तो आपको असर देखने को मिलेगा।

बादाम का तेल और दूध –एक चम्मच बादाम के तेल में दो चम्मच कच्चा दूध मिक्स करें और कॉटन बॉल को इसमें डुबोकर डार्क सर्कल्स को कवर करते हुये आंखों पर रखें। पंद्रह मिनट के बाद साफ़ पानी से आँखों को साफ़ कर लें। ऐसा कुछ दिनों तक करने से डार्क सर्कल्स कम हो जायेंगे।

छोटी सी किशमिश से बनी रहेंगी खूबसूरत और सेहतमंद

किशमिश की तासीर गर्म होती है इसलिए बहुत से लोग इसका सेवन करने से बचते है, लेकिन क्या आप जानते है किशमिश फाइबर से भरपूर है और यह महिलाओं को बहुत सी बीमारियों से बचाने में सहायक है। यह डाइजेशन को सुधारने के साथ ही मेनोपॉज की बहुत की समस्याओं को दूर करता है। आइये जानते है किस प्रकार से किशमिश का सेवन महिलाओं को फायदा पहुंचा सकता है

छोटी सी किशमिश बहुत से पोषक तत्वों से भरी हुई होती है। किशमिश में पर्याप्त कैल्शियम और मैग्नीशियम की मात्रा होती है साथ ही आयरन का भी अच्छा सोर्स है। यह एनीमिया को दूर करने में सहायक है। माना जाता है किशमिश की तासीर गर्म होती है इसलिए बहुत से लोग इसका सेवन करने से बचते है खासकर महिलायें, लेकिन क्या आप जानते है किशमिश फाइबर से भरपूर है और यह महिलाओं को बहुत सी बीमारियों से बचाने में सहायक है। यह डाइजेशन को सुधारने के साथ ही मेनोपॉज की बहुत की समस्याओं को दूर करता है। आइये जानते है किस प्रकार से किशमिश का सेवन महिलाओं को फायदा पहुंचा सकता हैएनीमिया दूर करने में सहायक

अधिकतर महिलायें एनीमिया का शिकार होती हैं। किशमिश का सेवन उनकी इस समस्या को दूर कर सकता है। किशमिश में आयरन भरपूर मात्रा में होता है। आयरन कमी से महिलाओं को हर समय थकान का अनुभव होना, त्वचा की चमक कम होना, बाल गिरना, आसानी से नाखुनो का टूटना जैसी परेशानियां होती है। आयरन की कमी से पीरियड्स भी अनियमित होते हैं और पीरियड्स के दौरान दर्द की भी समस्या होती है। इससे बचने के लिए आप भीगी हुई किशमिश का सेवन कर सकती हैं इससे आयरन की कमी दूर होगी।

हड्डियों की कमजोरी होगी दूर

किशमिश में कैल्शियम भरपूर मात्रा में होता है। अगर आप भी बढ़ती उम्र के कारण आर्थराइटिस के दर्द से परेशान हैं तो भीगी हुई किशमिश का सेवन आपकी इस बीमारी को दूर कर सकता है। भीगी हुई किशमिश का सुबह खाली पेट सेवन हर महिला को डेली रूटीन में शामिल करना चाहिए।

त्वचा बनेगी शाइनी

किशमिश का सेवन स्किन को रिपेयर करने का काम करता है। इसमें पर्याप्त मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं जो स्किन पर प्रदुषण और उम्र के असर को कम कर देते हैं। यह स्किन को ग्लोइंग बनाने के साथ ही स्किन कॉम्प्लेक्शन को सही रखता है।

किशमिश है एनर्जी बूस्टर

अगर आपको हर समय थकान रहती है तो आपको किशमिश वाले दूध का सेवन करना चाहिए। यह आपको खुशमिजाज भी बनाये रखेगा और आयरन की कमी को भी दूर करेगा।

कब करें किशमिश का सेवन

15–20 किशमिश के दानें रात में भिगो दें। सुबह खाली पेट इनका सेवन आपके लिए बहुत लाभकारी होगा। रोजाना इसका सेवन आपको सेहतमंद रखने के साथ ही खूबसूरत भी बनाये रखेगा।

कैसे करें किशमिश का सेवन

अगर आपको त्वचा की परेशानी है एक्ने या डल स्किन की समस्या है तो आप भीगी हुई किशमिश सुबह खाली पेट ले सकती हैं। किसी को यदि कब्ज की दिक्कत है तो उसको भी भीगी हुई किशमिश का सेवन करना चाहिए। आर्थराइटिस से परेशान हैं तो किशमिश को शहद में भिगो कर रख दें। इसका नियमित रूप से सेवन आपको कमजोर हड्डियों की परेशानी से छुटकारा दिलाएगा।

पेट दर्द को ना करें इग्नोर, जानें क्या है कारण और उपचार

पेट दर्द के अन्य कारण

- हेपेटाइटिस या यकृत की सूजन
- ह्रदय संबंधी बीमारियां
- पेट के किसी हिस्से में संक्रमण
- अग्नाशय, आंत या पेट के किसी अन्य अंग में कैंसर
- गुर्दा संक्रमण
- पेरिटोनिटिस या पेट के किसी भाग में सूजन

पेट दर्द को प्राय: डाइजेस्टिव सिस्टम या पाचन में खराबी से जोड़कर देखा जाता है, डॉक्टर्स के मुताबिक पेट दर्द सिर्फ पाचन संबंधी समस्या नहीं है, कई बार यह किसी अन्य स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतों से भी हो सकता है। अक्सर होने वाला पेट दर्द किसी बड़ी बीमारी का कारण हो सकता है इसके लिए आप चिकित्सक से सलाह ले सकते हैं।गैस, अपच, डायरिया या फ़ूड एलर्जी सामान्य पेट दर्द का कारण है जो घरेलू उपचार से ठीक हो जाता है। सामान्य पेट दर्द कुछ देर में अपने आप भी ठीक हो जाता है। लेकिन लगातार होने वाला दर्द, या तेज पेट दर्द, पेट दर्द के साथ बुखार को नजरअंदाज नहीं कर सकते हैं, यह गंभीर हो सकता है। भोजन के तुरंत बाद पेट दर्द, गैस या बदहजमी का एक कारण इर्रिटेबल बाउल सिंड्रोम हो सकता है। पेट में पथरी और अल्सर जैसी परेशानियां होने पर भी खाने के बाद पेट में दर्द होता है। कोलन कैंसर और एब्डोमिनल एओर्टिक एन्युरिज्म जैसी परेशानियों का लक्षण भी पेट दर्द होता है।

इर्रिटेबल बाउल सिंड्रोम–इर्रिटेबल बाउल सिंड्रोम में भोजन को पचाने में दिक्कत होती है और पेट में दर्द होता है। इसके कारण पेट में सूजन, गैस और मिचली की शिकायत होती है। यह क्रोनिक डिजीज है इसमें लम्बे समय तक इलाज चलता है।

गैस्ट्रोओसोफेगल रिफ्लक्स डिजीज–इसमें एसिड रिफ्लेशन होता है जिससे सीने में जलन, पेट दर्द, और मिचली की समस्या होती है, समय पर इलाज ना होने से यह गंभीर बीमारियों का कारण बन सकता है। इलाज समय से होने पर गैस्ट्रोओसोफेगल रिफ्लक्स डिजीज से छुटकारा पाया जा सकता है।

स्टमक फ्लू–स्टमक फ्लू का कारण कोई बैक्टीरियल इंफेक्शन या वायरस हो सकता है। मेडिकल भाषा में इसे गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल डिजीज कहते है, इसके लक्षण भोजन के तुरंत बाद पेट दर्द, उल्टी, दस्त हैं। सामान्यत: यह दो से तीन दिनों के उपचार के बाद ठीक हो जाता है। अगर समस्या लम्बे समय तक ठीक नहीं होती है तो यह इर्रिटेबल बाउल सिंड्रोम हो सकता है।

पेप्टिक अल्सर–बैक्टीरियल इंफेक्शन और ज्यादा दवाओं के इस्तेमाल से पेप्टिक अल्सर या घाव हो सकता है, यह पेट में सूजन, दर्द और का कारण बनते है। समय रहते इलाज ना होने से स्थिति गंभीर हो सकती है।

ब्लेडर और यूरिन इंफेक्शन–यूरिन इंफेक्शन मुख्य वजह बैक्टीरिया संक्रमण होता है जिसके कारण पेट के निचले भाग में सूजन और दर्द की समस्या होती है। यूरिनरी इंफेक्शन किडनी से संबंधित परेशानी का भी लक्षण हो सकता है, समय रहते उपचार ना होने से यह किडनी फेल्योर की वजह हो सकता है। इसमें यूरिन से गंध आती है।

पित्त पथरी–पित्त की पथरी होने पर पेट के दाहिने हिस्से में तेज दर्द होता है, कभी–कभी यह दर्द कंधो और पीठ तक भी फ़ैल जाता है। यह पथरी पित्ताशय की थैली में होते हैं, यह दो तरह के होते हैं कोलेस्ट्रॉल और वर्णक पथरी। इसका समय से उपचार ना होने से यह समस्या गंभीर हो सकती है।

पानी की बोतल हो गई है गंदी तो ऐसे करें उसे साफ

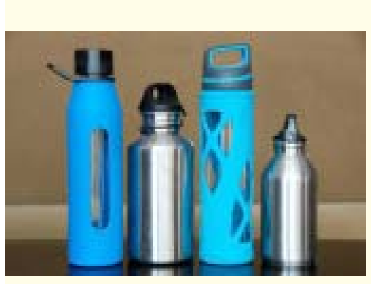

विनेगर को एक बेहद ही अच्छा क्लीनिंग एजेंट माना जाता है। अगर आपकी पानी की बोतल बहुत अधिक गंदी हो चुकी है तो ऐसे में आप विनेगर का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए आप पानी की बोतल में थोड़ा गर्म पानी डालें।

घर में पानी को पीने और उसे स्टोर करने के लिए हम सभी बोतल का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन लगातार इस्तेमाल करने के बाद वे काफी गंदी हो जाती हैं। ऐसे में उसे रेग्युलर क्लीनिंग सोप से साफ करने से वह उस तरह क्लीन नहीं हो पाते हैं। ऐसी बोतलों में एक अजीब सा पीलापन होता है और उनकी क्लीनिंग के लिए अलग तरीका अपनाने की जरूरत होती है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको पानी की बोतल को साफ करने के तरीके के बारे में बता रहे हैं–

विनेगर का करें इस्तेमाल

विनेगर को एक बेहद ही अच्छा क्लीनिंग एजेंट माना जाता है। अगर आपकी पानी की बोतल बहुत अधिक गंदी हो चुकी है तो ऐसे में आप विनेगर का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए आप पानी की बोतल में थोड़ा गर्म पानी डालें। साथ ही, इसमें थोड़ा विनेगर डालें। इसे अच्छी तरह हिलाएं और रातभर के लिए ऐसे ही छोड़ दें। अगली सुबह बोतल को साफ करें। बोतल का सारा पीलापन दूर हो जाएगा।

गर्म पानी और लिक्विड सोप का करें इस्तेमाल

अगर आपके पास विनेगर नहीं है तो ऐसे में आप गर्म पानी का भी इस्तेमाल कर सकती हैं। इसके लिए आप बॉटल में गर्म पानी डालें और कुछ देर के लिए ऐसे ही छोड़ दें। अब आप लिक्विड सोप डालें और बोतल ब्रश की मदद से उसे क्लीन करें।

बेकिंग सोडा का करें इस्तेमाल

अगर आपकी बोतल बहुत अधिक गंदी हो चुकी है तो ऐसे में उसे साफ करने के लिए बेकिंग सोडा का इस्तेमाल करना अच्छा विचार है। बेकिंग सोडा जिद्दी गंदगी को साफ करने में मददगार है। इसके लिए आप गर्म पानी में दो चम्मच बेकिंग सोडा डालकर रख लें। अगली सुबह आप बोतल को क्लीन करें और उसे साफ करें।

क्लीनिंग टैबलेट की लें मदद

अगर आप बिना किसी परेशानी के अपनी वाटर बोतल को साफ करना चाहते हैं तो इसके लिए क्लीनिंग टैबलेट की मदद लें। यह क्लीनिंग टैबलेट आपकी बोतल को कुछ ही मिनटों में बिना किसी मेहनत के साफ कर देंगे। आपको बस इतना करना है कि बोतल में गर्म पानी भरें। साथ ही, एक क्लीनिंग टैबलेट डालें। अब आप इसे 15–20 मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें। अंत में, बोतल के पानी को बाहर निकालें और फिर एक बार साफ पानी की मदद से बोतल को क्लीन करें।

अमरुद के पत्तों के पानी से त्वचा की परेशानियां होंगी दूर

अमरूद के पत्तों का पानी और काढ़ा पीने के फायदें तो आपको पता होंगे लेकिन यह आपके चेहरे को खूबसूरत भी बना सकता है। यह स्किन से जुड़ी कई दिक्क्तों को दूर करने में मदद करता है। अमरुद के पत्तों के पानी से नहाने से सोरायसिस और एलर्जी की परेशानी भी दूर होती है। यह एंटीऑक्सीडेंट्स और एंटीबैक्टीरियल गुणों से भरपूर होता है।

अमरुद के पानी से स्किन प्रॉब्लम्स दूर होंगी यह जान कर आप चौंक जाएंगे। अमरूद के पत्तों का पानी और काढ़ा पीने के फायदें तो आपको पता होंगे लेकिन यह आपके चेहरे को खूबसूरत भी बना सकता है। यह स्किन से जुड़ी कई दिक्क्तों को दूर करने में मदद करता है। अमरुद के पत्तों के पानी से नहाने से सोरायसिस और एलर्जी की परेशानी भी दूर होती है। यह एंटीऑक्सीडेंट्स और एंटीबैक्टीरियल गुणों से भरपूर होता है। आयुर्वेद के अनुसार अमरुद के पत्तों के पानी से नहाने के क्या फायदे है आइये जानते हैं

स्किन बनेगी ग्लोइंग –अमरुद के पत्तों के पानी से नहाने से डेड सेल्स की परेशानी दूर होती है। स्किन को क्लीन करता है। यह स्किन कॉम्पलेक्सन में निखार लाने के साथ ही त्वचा की चमक को बनाये रखता है। इससे कील–मुंहासे, दाग–धब्बे, एलर्जी, चकत्ते आदि जैसी समस्याओं को दूर करने में मदद मिलेगी। अगर आपको एलर्जी की दिक्कत है तो वह भी अमरुद के पत्तों के पानी से नहाने से दूर हो जाएगी।

स्किन बनेगी सॉफ्ट –अगर आपकी त्वचा ड्राई है तो अमरुद के पत्तों का पानी आपकी इस परेशानी को दूर कर सकता है। यह स्किन को हाइड्रेट बनाये रखता है। अमरुद के पत्तों का पानी त्वचा की नमी को लॉक रखता है और स्किन को सॉफ्ट मुलायम बनायें रखता है।

त्वचा रहेगी रिंकल्स फ्री –अमरुद का पानी स्किन के ओपन पोर्स को कम करके कसाव लाने का काम करता है। यह स्किन को एक्सफोलिएट करने के साथ ही झुर्रियों और महीन रेखाओं की समस्या को दूर कर देता है। जिससे त्वचा ज्यादा सॉफ्ट और यंग दिखती है।

कील मुंहासें होंगे दूर –अमरूद की पत्तियों में विटामिन सी और आयरन की मात्रा अधिक होती है। विटामिन सी स्किन की सभी परेशानियों को दूर करने में हेल्प करता है। इसमें मौजूद विटामिन सी त्वचा की प्राकृतिक चमक बनायें रखता है।

2022 कुछ दे गया खट्टी-मीठीं यादें

कार का शीशा तोड़कर खुद बाहर निकले थे ऋषभ पंत

रुड़की के नारसन बॉर्डर पर हज्मदपुर झाल के पास एक मोड़ पर उनकी कार का एज्सीडेंट हुआ है। यह स्थान एक ज्लैक स्पॉट है और यहां दुर्घटना की आशंका हमेशा बनी रहती है। हादसे के बाद ऋषभ समय रहते कार का शीशा तोड़कर खुद बाहर निकल गए और देखते ही देखते कार में आग लग गई। ऐसा अंदेशा है कि झपकी की वजह से यह दुर्घटना हुई होगी। देहरादून के मैज्स अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डाज्टर आशीष याग्निक ने बताया, ऋषभ पंत के शरीर पर बाहर से उन्हें कोई गंभीर चोट नहीं दिखाई पड़ रही है। हालांकि, ऋषभ ने कमर, सिर और पैर में चोट के बारे में बताया है।

डाज्टर याग्निक के अनुसार, उनकी कुछ महत्वपूर्ण जांच कराई जा रही हैं। हड्डी रोग विशेषज्ञ, प्लास्टिक सर्जन, फिजिशियन समेत तमाम डाज्टरों की टीम उनके उपचार में लगी है। अस्पताल प्रबंधन ने कहा है, जांच रिपोर्ट आने के बाद मेडिकल बुलेटिन भी जारी किया जाएगा।

कब-क्या हुआ?

- सुबह 5:30 बजे-नारसन पुलिस चौकी के समीप ऋषभ पंत की कार हादसे की शिकार हुई।
- हादसे की सूचना के बाद सुबह 5:35 पर नारसन पुलिस चौकी से पुलिस मौके पर पहुंची।
- सुबह 5:45 पर 108 एंबुलेंस ने घायल ऋषभ पंत को घटनास्थल से उठाया।
- सुबह 5:50 पर पुलिस को घायल के ऋषभ पंत के होने की जानकारी मिली।
- घायल ऋषभ पंत को 108 एंबुलेंस से सुबह 6:00 बजे रुड़की के सक्षम हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया।
- सुबह 6:15-पर फायर ब्रिगेड ने मौके पर पहुंचकर कार में लगी आग पर काबू पाया।
- सुबह 6:20 पर चिकित्सकों ने ऋषभ पंत का एक्स-रे कराया गया।
- सुबह 6:30 बजे हादसे की सूचना पर एसपी देहात अस्पताल में पहुंचे।
- सुबह 6:30 बजे ऋषभ पंत को प्राथमिक उपचार शुरू हुआ।
- सुबह 6:32- ऋषभ पंत की मां सरोज पंत अस्पताल में पहुंचीं।
- सुबह 8:20-ऋषभ पंत को रुड़की से देहरादून के मैक?स अस्?पताल रेफर किया गया।
- सुबह 10:00- एंबुलेंस ऋषभ पंत को लेकर देहरादून के मैक?स अस्पताल पहुंची। यहां विशेषज्ञ उनका उपचार कर रहे हैं।
- ऋषभ पंत के स्वजन भी अस्पताल में पहुंचे हैं। मीडिया एवं अन्य व्यक्तियों को अंदर जाने की इजाजत नहीं है।

ऋषभ पंत ने खेली हौसले से भरी पारी, असहनीय पीड़ा के बावजूद मां को घबराता देख करते रहे हंसी-मजाक

विकेट के पीछे से भी हुनर दिखाने वाले ऋषभ पंत ने जिंदगी की पिच पर भी हौसले का दामन नहीं छोड़ा। जब शरीर पर जख्मों की असहनीय पीड़ा के साथ वो अस्पताल पहुंचे तो घबराई मां को ढांढस बंधाने के लिए वह हंसी-मजाक करते रहे।

क्रिकेट की पिच पर बल्ले के साथ भारतीय टीम को जिताने के लिए जान लगा देने के साथ ही विकेट के पीछे से भी हुनर दिखाने वाले ऋषभ पंत ने जिंदगी की पिच पर भी हौसले का दामन नहीं छोड़ा।

भीषण हादसे के बावजूद वो घबराए नहीं, बल्कि कार से बाहर निकलने की लगातार कोशिश की और आखिरकार सफल भी हुए। ऋषभ के बाहर निकलते ही कार में आग लग गई।यदि उन्हें जरा भी देर हो जाती तो शायद कोई अनहोनी हो सकती थी। इसके बाद जब शरीर पर जख्मों की असहनीय पीड़ा के साथ वो अस्पताल पहुंचे तो घबराई मां को ढांढस बंधाने के लिए न सिर्फ मुस्कुराए, बल्कि हंसी-मजाक भी करते रहे।भारतीय क्रिकेट टीम के विकेट कीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने कई मैचों में मुश्किल घड़ी में पिच पर टिककर टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई है। वहीं, आइपीएल में तो उनके शानदार प्रदर्शन से हर कोई वाकिफ है। ऐसे में जिंदगी की

जब दिल्ली में स्कूली बच्चों के साथ फुटबॉल का मजा लिया था पेले ने

पेले अक्टूबर 2015 में दिल्ली आये थे और फुटबॉल के अपने फन के कारण नहीं बल्कि अपनी विनम्रता और इस खूबसूरत खेल के दूत के रूप में लोगों का दिल जीत लिया था। दो दिन की यात्रा पर उन्होंने भारतीय फुटबॉलप्रेमियों और लोगों से बात की थी।

सात साल पहले दिल्ली आये महान फुटबॉलर पेले जो अब हमारे बीच नहीं हैं उन्होने कहा था ,'' मेरे लिये दुनिया के सबसे बड़े खेल का आनंद भारत में बच्चों के साथ लेना फख्र की बात है।'' पेले अक्टूबर 2015 में दिल्ली आये थे और फुटबॉल के अपने फन के कारण नहीं बल्कि अपनी विनम्रता और इस खूबसूरत खेल के दूत के रूप में लोगों का दिल जीत लिया था। दो दिन की यात्रा पर उन्होंने भारतीय फुटबॉलप्रेमियों और लोगों से बात की थी। वह 17 अक्टूबर 2015 को अंबेडकर स्टेडियम पर सुब्रोतो कप अंडर 17 इंटर स्कूल फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल में मुख्य अतिथि थे। वह कोलकाता से दिल्ली आये थे।

वह 2018 में फिर दिल्ली आये लेकिन एक मीडिया समूह के कार्यक्रम में। कोलकाता ने जहां पेले के फन का जादू देखा तो दिल्ली ने फुटबॉल के दूत के रूप में उनके व्यक्तित्व का एक दूसरा पहलू जाना। वह फुटबॉल में अपनी पहचान बनाने की कोशिश में जुटे 'एक बेहद खास देश' की मदद करना चाहते थे। उन्होंने एक वीडियो संदेश में कहा था ,'' आपको बेस बनाना होगा। भारत बहुत खास देश है और यहां के प्रशंसक जबर्दस्त हैं। मुझे उम्मीद है कि मेरी यात्रा से भविष्य के चैम्पियन खिलाड़ियों को प्रेरणा मिलेगी।''दिल्ली फुटबॉल संघ के पूर्व अध्यक्ष और अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के मौजूदा महासचिव शाजी प्रभाकरण ने कहा ,'' पेले ने दुनिया भर में लाखों लोगों को प्रेरित किया। हमने कोलकाता और दिल्ली में उनके लिये फुटबॉलप्रेमियों की दीवानगी देखी।'' उन्होंने कहा ,'' उनका जन्मदिन दिल्ली में ग्रासरूट्स डेवलपमेंट डे के रूप में मनाया जाता है। फुटबॉल दिल्ली ने पिछले साल यह फैसला लिया था।

क्यों अधूरी रह गई रतन टाटा की प्रेम कहानी ?

अगर आपको लगता है कि रुपया, शोहरत, नाम, प्रतिष्ठा से सब कुछ खरीदा जा सकता है, तो आप गलत हैं। इन सबकी अपनी अहमियत है। मगर, ये आपकी जिंदगी से दुखों, तकलीफों को दूर कर देंगे, ऐसा जरूरी नहीं है।85 साल के इस बैचलर बिजनेसमैन की जिंदगी में एक सूनापन है, जिसे वो कभी भर न सके।

जब रतन टाटा ने बयां किया साथी से बिछड़ने का दर्द

स्टार्टअप त्रश्चश्चस्त्रद्ग्रद्यद्यश्च2ह्य की ओपनिंग समारोह में रतन टाटा ने अपनी जिंदगी से जुड़ी एक दर्द बयां किया था, जिसे सुनाकर वहां पर बैठे लोगों के दिल भर आए थे। रतन टाटा ने कहा था, %आप नहीं जानते कि अकेले रहना कैसा होता है? जब तक आप अकेले समय बिताने के लिए मजबूर नहीं होते तब तक अहसास नहीं होगा। वास्तव में जबतक आप बूढ़े नहीं हो जाते, तब तक किसी को भी बूढ़े होने का मन बिल्कुल भी नहीं करता। रतन टाटा की जुबां से यह बात यूं ही नहीं निकली थी। दरअसल, रतन टाटा को जिंदगी में चार बार प्यार हुआ, लेकिन वे कंवारे ही रहे। सबसे ज्यादा संजीदा वह उस वक्त थे, जब वो अमेरिका के लॉस एंजिल्स के एक कंपनी में काम करते थे। उस दौरान उन्हें एक लड़की से प्यार हुआ। तभी अचानक उनकी दादी की तबियत खराब हो गई, जिसकी वजह से उन्हें भारत लौटना पड़ा। रतन टाटा को लगा था कि जिस लड़की से उन्होंने मोहब्बत की है, वो भी उनके साथ भारत आने के लिए तैयार हो जाएगी। लेकिन, ऐसा न हो सका। 1962 की भारत-चीन लड़ाई की वजह से लड़की के माता-पिता ने उसे भारत आने से रोक दिया और इस तरह दोनों की प्रेम कहानी अधूरी रह गई। रतन टाटा ने इंस्टाग्राम हैंडल %ह्यूमन्स ऑफ बॉम्बे' पर भी अपने अधूरे प्यार की बात साझा कर चुके हैं।

निदा फाजली की एक शेर है, कभी किसी को मुकम्मल जहां नहीं मिलता

कहीं ज़मीन तो कहीं आसमान नहीं मिलता

रतन टाटा के साथ भी मानो कुछ ऐसा ही हुआ, कुदरत ने उन्हें उस मुकाम पर पहुंचाया, जहां शायद ही कोई पहुंच सके। लेकिन, उन्होंने जो कुछ गंवाया ,वो दर्द उनके अलावा शायद ही कोई समझ सके।

पिता और दादी के साथ खट्टे मीठे यादों को किया साझा

उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक लंबी पोस्ट लिखते हुए कई निजी बातों को भी दुनिया के सामने बयां कर किया है। उन्होंने पोस्ट में अपने बचपन की बातों को याद करते हुए कहा,% मेरा बचपन खुशहाल था, लेकिन जैसे-जैसे मैं और मेरा भाई बड़े होते गए, हमें अपने माता-पिता के तलाक की वजह से काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। लेकिन मेरी दादी ने हम दोनों का अच्छे से ख्याल रखा।

जब मेरी माँ ने दोबारा शादी की, उसके तुरंत बाद स्कूल के लड़कों ने हमारे बारे में हर तरह की बातें करनी शुरू कर दीं। लेकिन, हमारी दादी ने हमें हर कीमत पर गरिमा बनाए रखना सिखाया, एक ऐसा मूल्य जो आज भी मेरे साथ हमेशा मौजूद है। मुझे याद है, विश्व युद्ध 2 के बाद मेरी दादी मेरे भाई और मुझे गर्मियों की छुट्टियों के लिए लंदन ले गई। वह हमसे कहती थीं, %यह मत कहो% या %उसके बारे में चुप रहो% और यहीं से हमें जीवन के असल मूल्यों की समझ आई।

पोस्ट में उन्होंने अपने पिता और उनके बीच हुए मतभेद का भी जिक्र किया है। उन्होंने लिखा, %यह कहना मुश्किल है कि कौन सही है या गलत। मैं वायलिन बजाना सीखना चाहता था, मेरे पिता ने पियानो पर जोर दिया।

फिर लौट आया कोरोना
क्या भारत में दस्तक देगी कोरोना की नई लहर

चीन, जापान और अमेरिका में तेजी से बढ़ते कोरोना मामलों के चलते अब भारत भी अलर्ट मोड में आ गया है। चीन में प्रतिदिन 3 से 4 हजार मामले आ रहे हैं तो जापान में तो ये आंकड़ा लाखों में पहुंच गया है। जापान में बीते दिन 2 लाख के करीब कोरोना के नए मामले सामने आए। दुनियाभर में फैलते कोरोना को देखते हुए भारत में भी कोरोना की चौथी लहर को लेकर भी सवाल उठने लगे। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि भारत में हालात सामान्य बने रहेंगे और फिलहाल डरने की बात नहीं है। इस बीच केंद्र सरकार के साथ राज्यों की सरकारें अभी से ही कोरोना पर काबू पाए रखने के लिए जरूरी कदम उठाने लगी है। आइए जानें आखिर राज्यों की कोरोना रोकथाम को लेकर ज्या तैयारी है... कोविड-19 के साये के साथ आया साल 2022 कई उपलज्धियों और बड़े बदलावों के लिए जाना जाएगा।

दुनिया में कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए बीते दिन दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने इमरजेंसी मीटिंग बुलाई। बैठक के बाद सीएम ने कहा कि दिल्ली वालों को फिलहाल डरने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि पिछली बार जिस तरह ऑज्सीजन की कमी सामने आई थी, उसी को देखते हुए इस बार तैयारी पूरी है। केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में ब्क्स7 का अभी कोई भी मामला नहीं है। सीएम ने कहा कि हमारे पास 8 हजार बेड रिजर्व पड़े हैं और इस बार इन बेड्स की संज्या 36 हजार तक की जाएगी।कोरोना को मात देने के लिए महाराष्ट्र सरकार ने भी कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने विधानसभा में बीते दिन ऐलान किया कि उनकी सरकार कोरोना पर निगरानी करने के लिए एक टास्क फोर्स बनाने जा रही है। इस बीच राज्य के स्वास्थ्य विभाग ने टेस्टिंग बढ़ाने और परीक्षण, ट्रैक, उपचार, टीकाकरण और कोविड प्रोटोकॉल का पालन करने का निर्देश दिया है।कर्नाटक के मुज्यमंत्री बसवराज बोज्मई और स्वास्थ्य मंत्री के. सुधाकर ने भी बीते दिन राज्य में की स्थिति के संबंध में समीक्षा बैठक की। बैठक में कोरोना की टेस्टिंग बढ़ाने और प्रोटोकॉल को लेकर एडवाइजरी जारी की है।

Year Ender 2022

साउथ फिल्म इंडस्ट्री के आगे फीके पड़े बॉलीवुड के सितारे

साल 2022 में बॉलीवुड की चमक-दमक फीकी रही और साउथ इंडस्ट्री, खासकर तमिल, तेलुगू और कन्नड फिल्म इंडस्ट्री के सितारें फलक पर पहुंच गए न सिर्फ भारत में बल्कि विश्वभर में साउथ इंडस्ट्री ने अपना लोहा मनवा लिया।

निर्देशक एसएस राजामौली की तेलुगु फिल्म आरआरआरने देश में धमाल मचा दिया। लगभग 1200 करोड़ रुपये की कमाई करने वाली इस फिल्म में राम चरण, जूनियर एनटीआर, बॉलीवुड एक्टर अजय देवगन के अलावा आलिया भट्ट भी नजर आईं। बता दें कि इस फिल्म की लागत 550 करोड़ थी। बाहुबली के दोनों पार्ट के बाद इस फिल्म ने एसएस राजामौली को एक अलग पहचान दे दी है।

कन्नड़ फिल्म

वहीं, बतौर निर्देशक और कलाकार के रूप में कंतारा में काम करने वाले ऋषभ शेट्टी ने बॉक्स ऑफिस पर कमाल कर दिया। इस फिल्म ने भी खूब चर्चा बटोरी और ऋषभ शेट्टी को खूब प्रशंसा मिली। महज 16 करोड़ के बजट में बनी इस फिल्म ने 410 करोड़ की कमाई कर सभी को चौंका दिया।

तमिल फिल्म--मणिरत्नम के निर्देशन में बनी फिल्म %पोन्नियिन सेल्वन पार्ट वन% (पीएस 1) ने 523.70 करोड़ रुपए की कमाई की।

बॉलीवुड- कभी अर्श पर कभी फर्श पर

वहीं, बॉलीवुड इंडस्ट्री की बात करें तो इस साल आमिर खान की लाला सिंह चड्ढा से फैंस को काफी उम्मीदें थी, लेकिन आमिर खान की पिछली फिल्मों की तुलना में यह फिल्म लोगों को ज्यादा आकर्षित नहीं कर सकी।

वहीं, रणवीर सिह की जयेशभाई जोरदार, कंगना की धाकड़, प्रभास की राधे श्याम, अक्षय कुमार की सम्राट पृथ्वीराज और रणबीर कपूर की शमशेरा जैसी फिल्में भी फ्लॉप साबित हुई।

दो फिल्मों ने किया कमाल

कश्मीर फाइल्स और गंगूबाई काठियावाड़ी जैसी फिल्मों को लोगों ने खूब पसंद भी किया। बता दें कि महज 14 करोड़ में बनी कश्मीर फाइल्स ने तीन दिन में 28 करोड़ रुपए की कमाई कर ली है। कई राज्यों में फिल्म को टैक्स फ्री कर दिया गया है। फिल्म ने वर्ल्?डवाइड 340 करोड़ से ज्यादा कमाई की। वहीं, गंगूबाई काठियावााड़ी ने बॉक्स ऑफिस पर 108.3 करोड़ रुपये की कमाई की थी। इसके अलावा, रणबीर कपूर और आलिया भट्ट की फिल्म ब्रह्मास्त्र पार्ट वन- शिवा ने 436.40 करोड़ रुपए।

साउथ फिल्म इंडस्ट्री ने बताया,कंटेंट इज़ किंग

साल 2022 में भारतीय सिनेमा की तस्वीर पूरी तरह बदलती हुई दिखी। इस साल साउथ फिल्मों ने साबित कर दिया कि कंटेंट इज़ किंग। कोविड महामारी के दौरान लोगों ने ओटीटी प्लेटफॉर्म पर जमकर वेब-सीरीज और फिल्में देखीं, जिसका असर बॉलीवुड फिल्मों पर भी पड़ा। भारतीय दर्शकों को अब नए-नए और रोचक कंटेंट की आदत पड़ चुकी है, जिसे साउथ इंडस्ट्री ने भांप लिया। दरअसल, साउथ इंडस्ट्री की सफलता का सबसे बड़ा राज है कि वो बॉलीवुड की तुलना में अच्छी और दमदार कहानी पर फिल्में बना रहे हैं। इसके अलावा, इस इंडस्ट्री में स्टार्स पर ज्यादा तगड़े पैसे खर्च न करके फिल्म के प्रोडक्शन और अन्य चीजों में पैसे लगाए जाते हैं। गौरतलब है कि साउथ इंडस्ट्री में भी कई ऐसे कलाकार हैं, जो फिल्म के लिए मोटे पैसे वसूलते हैं।उम्मीद है कि नए साल में बॉलीवुड के पिटारे से कई धमाकेदार फिल्में निकलेगी, जो दर्शकों को खूब लुभाएगी। चाहे बॉलीवुड हो या साउथ इंडस्ट्री, सभी अंत में भारतीय सिनेमा ही है। अच्छी फिल्में चाहें कहीं भी बने, दर्शक हमेशा उस फिल्म को देखने के लिए और उसका सरहाना करने के लिए तैयार बैठे हैं।

ऋषभ पंत के एक्सीडेंट पर सीएम पुष्कर धामी का बड़ा बयान, कहा गड्ढे के कारण हुआ था हादसा

क्रिकेटर ऋषभ पंत की गाड़ी का एक्सीडेंट होने के बाद से ही वो अस्पताल में भर्ती है। दिल्ली से रूड़की जाते समय 30 दिसंबर की सुबह एक्सीडेंट हुआ था। इस एक्सीडेंट में ऋषभ पंत को काफी चोट आई थी। इस हादसे के कारणों का पता लगाने के लिए लगातार कयास लगाए जा रहे थे।

भारतीय टीम के क्रिकेटर ऋषभ पंत के एक्सीडेंट के मामले में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बड़ी जानकारी साझा की है। पुष्कर सिंह धामी ने बताया कि ऋषभ का एक्सीडेंट सड़क पर बने गड्ढे के कारण हुआ था। रास्ते में गड्ढा आने पर गाड़ी को बचाने की कोशिश में ऋषभ का एक्सीडेंट हुआ था।

स्टार विकेटकीपर ऋषभ पंत के एक्सिडेंट के बाद से ही उनके फैंस उनके सलामत होने की दुआ कर रहे है। ऋषभ से संबंधित हर अपडेट को फैंस और क्रिकेट के फैंस जानने को इच्छुक है। वहीं उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का कहना है कि ऋषभ पंत की गाड़ी का एक्सीडेंट रास्ते में गड्ढा आने के कारण हुआ था। ऋषभ ने गाड़ी को गड्ढ से बचाने की कोशिश की और इसी बीच एक्सीडेंट हो गया। बता दें कि पुष्कर सिंह धामी एक जनवरी को क्रिकेटर ऋषभ पंत से मुलाकात करने पहुंचे थे, जिनका इलाज देहरादून के मैक्स अस्पताल में चल रहा है।क्रिकेटर ऋषभ पंत का दिल्ली से रूड़की जाते समय 30 दिसंबर की सुबह एक्सीडेंट हुआ था। इस एक्सीडेंट में ऋषभ पंत को काफी चोट आई थी। ये भी कहा जा रहा था कि ऋषभ की गाड़ी ओवर स्पीडिंग के कारण दुर्घटना का शिकार हुई थी। वहीं अब उत्तराखंड के मुख्यमंत्री के बयान के बाद सभी तरह की अटकलों पर विराम लग गया है।

ऐसा है पंत का हाल

क्रिकेटर ऋषभ पंत की स्थिति में अब काफी सुधार है और डॉक्टरों ने अभी तय नहीं किया है कि उन्हें किसी दूसरे अस्पताल में शिफ्ट करना है या नहीं। पंत के पारिवारिक मित्रों और अन्य ने अस्पताल में उनसे मुलाकात के बाद यह बात कही। पंत की मां सरोज पंत और लंदन से आई बहन साक्षी अस्पताल में उनके साथ हैं। दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के निदेशक श्याम शर्मा, बॉलीवुड अभिनेता अनिल कपूर और अनुपम खेर ने यहां मैक्स अस्पताल में पंत से मुलाकात की।

इस साल क्रिकेट-हॉकी में होगा धमाल, देशवासियों को मिल सकती हैं ढेरों खुशियां

साल 2022 में खेले गए फीफा फुटबॉल विश्व कप ने एक बार फिर दिखा दिया कि खेल किस तरह लोगों को एकजुट करते हैं और उनके चेहरे पर मुस्कान ला सकते हैं। इस कड़ी में अब साल 2023 भी बेहद खास बन सकता है। इस साल भारत में पुरुष हॉकी और आईसीसी वनडे क्रिकेट विश्व कप खेले जाने हैं। क्रिकेट भारतीयों की रग-रग में बसता है तो हॉकी इस देश की आत्मा है।

साल 2022 में खेले गए फीफा फुटबॉल विश्व कप ने एक बार फिर दिखा दिया कि खेल किस तरह लोगों को एकजुट करते हैं और उनके चेहरे पर मुस्कान ला सकते हैं। इस कड़ी में अब साल 2023 भी बेहद खास बन सकता है। इस साल भारत में पुरुष हॉकी और आईसीसी वनडे क्रिकेट विश्व कप खेले जाने हैं। क्रिकेट भारतीयों की रग-रग में बसता है तो हॉकी इस देश की आत्मा है। ऐसे में इन दोनों खेलों में भारतीय खिलाड़ियों के पास विश्व चैंपियन बनकर अपना दबदबा कायम करने और प्रशंसकों के चेहरे पर मुस्कान लाने का बेहतरीन मौका है। आइये देखें इस साल कौन-कौन से बड़े खेल इवेंट होने वाले हैं।

पुरुष हॉकी विश्व कप 13 जनवरी से

हॉकी भारत का राष्ट्रीय खेल हैं और इसकी सुगंध गांव-गांव तक फैली हुई है। 13 जनवरी से भारत पुरुष हॉकी विश्व कप की मेजबानी करेगा। इस टूर्नमेंट के मुकाबले ओडिशा के भुवनेश्वर और राउरकेला में खेले जाएंगे।

47 साल का खिताबी सूखा खत्म करना लक्ष्य

भारतीय टीम सिर्फ एक बार 1975 में विश्व कप जीत सकी है। टीम को पिछले 47 सालों से खिताब का इंतजार है। भारतीय पुरुष टीम ने 2020 टोक्यो ओलंपिक में कास्य पदक जीता था। टीम अच्छी फॉर्म में चल रही है। कप्तान हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी मे भारतीय करीब पांच दशक का खिताबी सूखा खत्म कर नए साल का बेहतरीन तोहफा देना चाहेंगे।

भारतीय क्रिकेट टीम के सामने साल 2023 में सबसे बड़ी चुनौती वनडे विश्व कप होगी। टी-20 विश्व कप में विफल रहे भारत के पास विश्व चैंपियन बनकर देश को सौगात देने का शानदार मौका है।

खत्म करना होगा ट्रॉफी का इंतजार

1983 और फिर 2011, पहले कपिल देव और फिर महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में भारत ने वनडे विश्व कप जीतकर क्रिकेट जगत में अपना परचम लहराया था। लेकिन इसके बाद टीम इंडिया फिर विश्व चैंपियन नहीं बन सकी। अपनी सरजमीं पर टीम इंडिया के पास एकबार फिर इतिहास रचने का बेहतरीन मौका है।

आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 10 फरवरी से

पिछले कुछ सालों से भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन किया है और दुनिया में अपनी धांक जमाई है। 10 फरवरी से दक्षिण अफ्रीका में आईसीसी महिला टी20 विश्व कप शुरू हो रहा है। पिछली बार की उपविजेता भारतीय टीम खिताब की प्रबल दावेदार है। टीम इंडिया की नजर पहले खिताब पर है।

इस बार नहीं चूकना, लेकर आना महिला विश्व कप

भारतीय टीम ने 2020 में खेले गए विश्व कप के फाइनल में जगह बनाई थी। टीम के पास खिताब जीतने का बेहतरीन मौका था, लेकिन उसे ऑस्ट्रेलिया से हार झेलनी पड़ी। भारतीय टीम हरमनप्रीत कौर की अगुआई में इस बार चूकना नहीं चाहेगी और देश को पहली बार आइसीसी ट्रॉफी दिला इतिहास रचना चाहेगी। भारतीय खिलाड़ी इसके लिए कड़ी तैयारी कर रही हैं।

32वें एशियन गेम्स 2022 में चीन के हांगझाउ में खेले जाने थे, लेकिन कोरोना के कारण इन्हें स्थगित कर दिया गया। हालांकि कोरोना की स्थिति एक बार फिर चीन में बेकाबू हो गई है। इस कारण इन खेलों के आयोजन पर फिर खतरा मंडराने लगा है, लेकिन उम्मीद कायम है।

महिला कोच से छेड़छाड़ के आरोप में फंसे हरियाणा के खेल मंत्री संदीप सिंह, एफआईआर दर्ज

हरियाणा के खेल मंत्री संदीप सिंह इन दिनों मुश्किल में फंस गए है। उनके खिलाफ एक महिला कोच ने छेड़छाड़ का मामला दर्ज कराया है। इस मामले में तत्काल कार्रवाई करते हुए डीआईजी ने एसआईटी का गठन किया है जो मामले की जांच में जुट गई है।

हरियाणा के खेल मंत्री और पूर्व हॉकी खिलाड़ी संदीप सिंह के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। महिला कोच की शिकायत के आधार पर मंत्री के खिलाफ मामला दर्ज हुआ है। जानकारी के मुताबिक सेक्टर 26 के पुलिस स्टेशन में खेल मंत्री के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है ।चंडीगढ़ पुलिस के प्रवक्ता ने भी संदीप सिंह के खिलाफ एफआईआर किए जाने की पुष्टि की है। संदीप सिंह के खिलाफ जांच करने के लिए हरियाणा के डीजीपी ने एसआईटी का गठन भी किया है। एसआईटी जांच में आईपीएस ममता सिंह, समर प्रताप सिंह, एचसीपी राजकुमार कौशिक शामिल है। संदीप सिंह के खिलाफ आईपीसी की धारा 354, 354ए, 354बी, 342, 506 के तहत मामला दर्ज किया गया है ।जानकारी के मुताबिक अब एसआईटी की टीम महिला कोच के आरोपों की जांच करेगी। इसके बाद एसआईटी की टीम को रिपोर्ट तैयार करनी है जिसके मुताबिक संदीप सिंह पर लगे आरोपों की जांच होगी। इस रिपोर्ट के आधार पर ही आगे की कार्रवाई की जाएगी ।बता दें कि हरियाणा के खेल मंत्री संदीप सिंह पर महिला कोच ने आरोप लगाया है कि मंत्री ने उन्हें सरकारी आवास पर बुलाकर उनका यौन उत्पीड़न किया है। महिला कोच ने इस मामले की शिकायत मुख्यमंत्री और गृह मंत्री अनिल विज से भी की थी मगर उनकी तरफ से किसी तरह की मदद नहीं मिली। महिला ने आरोप लगाया है कि वो कई महिला खिलाड़ियों के साथ छेड़छाड़ कर चुके है। पीड़िता का कहना है कि संदीप ने उन्हें इंस्टाग्राम के जरिए संपर्क किया था ।पीड़िता का कहना है कि संदीप ने उन्हें कई लालच देकर फंसाने की कोशिश की थी। मनपसंद पोस्टिंग समेत कई सुविधाओं के नाम पर उन्हें लालच दिया गया था। ये भी कहा गया है कि महिला द्वारा आरोप लगाए जाने के बाद उसका ट्रांसफर कहीं और कर दिया गया है। महिला की ट्रेनिंग को भी बंद कर दिया गया है।

महिला कोच द्वारा उत्पीड़न के संगीन आरोप लगाने के बाद विपक्ष इस मामले में काफी हमलावर हो गया है। संदीप सिंह पर लगे इस आरोप के बाद विपक्ष ने उनका इस्तीफा मांगा है। विपक्ष का कहना है कि महिला कोच ने काफी मदद की गुहार लगाई मगर सरकार की तरफ से किसी ने कोई मदद मुहैया नहीं कराई।

स्मृति मंधाना को वर्ष की सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटर नामांकित

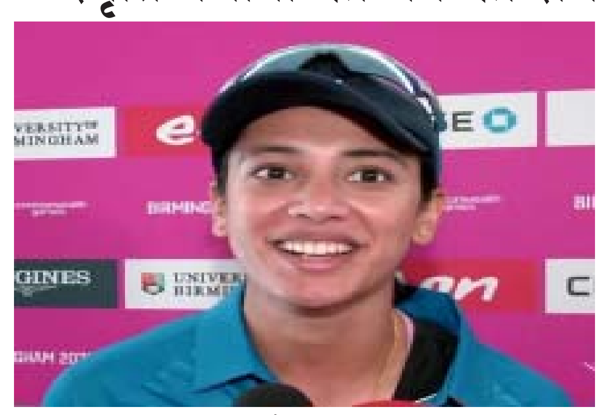

नयी दिल्ली। जाते साल के आखिरी दिन खबरों से भरपूर रहे। इनमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मां का निधन, दुनियाभर में फुटबॉल के भगवान माने जाने महान पेले का निधन और सड़क दुर्घटना में ऋषभ पंत के घायल होने जैसी बड़ी खबरों के बीच खेल के पन्ने पर छपी एक कॉलम की खबर देखने में तो छोटी थी, पर भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना के लिए बहुत बड़ी थी। दरअसल उन्हें एक बार फिर आईसीसी महिला क्रिकेटर ऑफ द ईयर अवार्ड के लिए नामांकित किया गया है। कहने को यह नामांकन भर है और बाएं हाथ की सलामी बल्लेबाज के सामने दुनिया की बेहतरीन खिलाड़ियों से बाजी मार लेने की चुनौती है।

आईसीसी ने 2022 के लिए 'वुमन क्रिकेटर ऑफ द ईयर अवार्ड' के लिए कुल चार महिला खिलाड़ियों को नामांकित किया है। इनमें मंधाना के अलावा इंग्लैंड की ऑलराउंडर नैट सीवर, न्यूजीलैंड की ऑलराउंडर अमेलिया केर और ऑस्ट्रेलिया की सलामी बल्लेबाज बेथ मूनी जैसे बड़े नाम शामिल हैं। वैसे मंधाना के इस साल के प्रदर्शन को देखें तो उनके विजेता होने के आसार ज्यादा नजर आते हैं। मंधाना ने 2022 में भारत के लिए टी20 में 594 रन बनाए और उनसे ज्यादा रन दुनिया में किसी ने नहीं बनाए। इसी तरह एकदिवसीय क्रिकेट में 696 रन के साथ वह दूसरी सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी बनीं।

स्मृति ने इस साल दो बड़े टूर्नामेंट- महिला वनडे वर्ल्ड कप और राष्ट्रमंडल खेलों में अपने बल्ले का जौहर दिखाया। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने राष्ट्रमंडल खेलों में कांस्य पदक जीतकर शानदार प्रदर्शन किया। प्रारंभिक जीवन और शिक्षा की बात करें तो महाराष्ट्र के एक मारवाड़ी परिवार से ताल्लुक रखने वाली स्मृति मंधाना का जन्म 18 जुलाई 1996 को मुंबई में श्रीनिवास और स्मिता मंधाना के यहां हुआ। स्मृति बहुत छोटी थीं, जब उनका परिवार सांगली जिले के माधवनगर में जाकर बस गया। उन्होंने अपने पिता और भाई को बहुत छुटपन से ही जिला स्तर पर क्रिकेट खेलते हुए देखा तथा बैट, बॉल, विकेट, पैड और ग्लव्ज के साथ उनकी पहचान बहुत जल्दी हो गई। पहचान हो तो दोस्ती होते वक्त नहीं लगता।

देखते ही देखते स्मृति ने बल्ले के साथ अपनी दोस्ती बढ़ा ली और उनके भाई ने उनके लिए गेंदबाजी करके उन्हें बल्लेबाजी का अभ्यास कराया। इसी का नतीजा था कि मात्र नौ साल की उम्र में उन्हें महाराष्ट्र की अंडर 15 टीम में चुन लिया गया। अभी 11 बरस की ही हुई थीं कि महाराष्ट्र की अंडर-19 टीम में उनका चयन हो गया। प्रथम श्रेणी क्रिकेट में उनके शानदार प्रदर्शन और आक्रामक बल्लेबाजी को देखते हुए उन्हें 2014 में महिला टेस्ट क्रिकेट टीम में शामिल किया गया। स्मृति का परिवार उनके खेल को बेहतर बनाने के लिए अपनी ओर से लगातार प्रयास करता है।

मां स्मिता जहां उनकी डाइट, उनके कपड़े और अन्य जरूरतों का ख्याल रखती हैं, वहीं भाई अब भी नेट में गेंदबाजी करते हैं। पिता केमिकल का कारोबार करने के साथ साथ स्मृति के क्रिकेट कार्यक्रम का प्रबंधन करने की जिम्मेदारी भी संभालते हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में स्मृति मंधाना की शानदार बल्लेबाजी की चमक जब तब दिखाई देती रहती है और बहुत मुमकिन है कि एक बार फिर वह आईसीसी की तरफ से वर्ष की सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटर करार दी जाएं।

सूर्यकुमार यादव ने न्यू ईयर पर सिद्धिविनायक मंदिर में लिया गणपति का आशीर्वाद

टीम इंडिया के स्टार क्रिकेटरों नए साल की शुरुआत अपने-अपने अंदाज में की है। विराट कोहली और एमएस धोनी ने जहां दुबई में नए साल का स्वागत किया है तो रोहित शर्मा ने मालदीव में सेलिब्रेशन किया है। जबकि भारत के तूफानी बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने बेहद सादगीपूर्ण तरीके से नया साल मनाया है। नए साल के पहले दिन सूर्यकुमार यादव रविवार को सबसे पहले सिद्धिविनायक मंदिर पहुंचे। जहां उन्होंने नए साल 2023 की शुरुआत के लिए भगवान गणेश का आशीर्वाद लिया। सूर्यकुमार यादव ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक फोटो शेयर कर लिखा कि सिद्धिविनायक मंदिर में आशीर्वाद ले रहा हूं।

सूर्यकुमार यादव श्रीलंका के खिलाफ 3 जनवरी से टी20 सीरीज में एक्शन में दिखाई देंगे। उन्होंने भारत के लिए पिछले वर्ष धमाकेदार प्रदर्शन किया था और आईसीसी के वर्ष के टी20 क्रिकेटर ऑफ द ईयर के लिए नामित होने वाले एकमात्र भारतीय रहे। सूर्य के लिए 2022 जबरदस्त रहा था। उन्होंने अपनी 360 डिग्री शैली की बल्लेबाजी से वर्ष में एक हजार से ज्यादा रन बनाए थे। वह 187.43 के स्ट्राइक रेट और 46.56 के औसत से 1164 रन बनाकर वर्ष में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे।

भारतीयों खेलों में 2022 हॉकी के लिये अच्छा, बैडमिंटन के लिये बेहतर और नीरज के लिये सर्वश्रेष्ठ रहा

थॉमस कप में ऐतिहासिक जीत भारतीय बैडमिंटन के लिये किवदंती बन गयी जबकि नीरज चोपड़ा ने डायमंड लीग खिताब जीतकर अपने 'सुपरस्टार' दर्जे में इजाफा किया लेकिन 22 गज की पिच पर क्रिकेट टीम का संघर्ष 2022 में भारतीय खेलों के लिये खट्टे मीठे नतीजों से भरा रहा। हॉकी में महिला टीम ने प्रेरणादायी प्रदर्शन जारी रखते हुए बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीता। ओलंपिक चैम्पियन नीरज भले ही 90 मीटर दूर भाला नहीं फेंक सके लेकिन एलीट टूर्नामेंट में पोडियम में शीर्ष स्थान से उनकी महानता का कद ऊंचा होना जारी रहा।

हालांकि पहलवान रवि दहिया अपनी ओलंपिक सफलता के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर सके और विश्व चैम्पियनशिप के पहले ही दौर से बाहर हो गये।

दहिया जैसे जुनूनी और मेहनती पहलवान को यह हार सबसे ज्यादा सालती होगी। अब उनके 2023 में बेहतरीन प्रदर्शन की आस है जिसमें पेरिस ओलंपिक के कोटे दाव पर लगे होंगे। दहिया के इस तरह बाहर होने की बिलकुल उम्मीद नहीं थी, वहीं थॉमस कप में पुरूष बैडमिंटन खिलाड़ियो के साथ भी ऐसा ही था जिन्होंने ऐतिहासिक खिताबी जीत से भारत को बैडमिंटन में 'पावरहाउस' बनने की राह पर ला दिया है।

सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी पिछले दो वर्षों से शानदार प्रदर्शन दिखा रहे हैं और मई में बैंकाक में खेले गये इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में चीन और इंडोनेशिया के दबदबे को खत्म करने में उनके प्रदर्शन ने अहम भूमिका अदा की। पीवी सिंधू और लक्ष्य सेन जैसे स्थापित सितारे कोर्ट पर वैसा प्रदर्शन नहीं दिखा सके जिसकी उनसे उम्मीद थी लेकिन उन्होंने बीडब्ल्यूएफ टूर पर कई खिताब जीतकर अपनी उपस्थिति दर्ज करायी। बैडमिंटन खिलाड़ियों ने बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में अपना प्रभावी प्रदर्शन जारी रखा और तीन स्वर्ण सहित छह पदक (एक रजत और दो कांस्य भी) अपने नाम किये।

नीरज हालांकि 'ग्रोइन' चोट के कारण राष्ट्रमंडल खेलों में शिरकत नहीं कर सके लेकिन इससे पहले वह अमेरिका में विश्व चैम्पियनशिप में रजत पदक जीतकर अंजू बॉबी जॉर्ज के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाले दूसरे भारतीय एथलीट बने। अंजू ने 2003 पेरिस चरण में कांस्य पदक जीता था। सितंबर में वह डायमंड लीग सीरीज के फाइनल्स में स्वर्ण पदक जीतकर यह उपलब्धि हासिल करने वाले पहले भारतीय बने। डायमंड लीग के स्टॉकहोम चरण में वह दूसरे स्थान पर रहे थे और 89.94 मीटर दूर भाला फेंककर 90 मीटर के करीब पहुंच गये थे।

वहीं कम से कम छह शीर्ष भारतीय एथलीट को प्रतिबंधित पदार्थ का इस्तेमाल करने के लिये पकड़ा गया और इन पॉजिटिव डोप मामलों से राष्ट्रमंडल खेलों की तैयारियां प्रभावित हुईं। भारतीय पहलवानों से राष्ट्रमंडल खेलों में दबदबा बनाने की उम्मीद थी लेकिन दहिया इसमें जूझते नजर आये, अमन सहरावत ने 57 किग्रा वर्ग में प्रगति की जो अलमाटी में बोलात तुरलीखानोव में स्वर्ण पदक जीतकर अंडर-23 विश्व चैम्पियन बने। विनेश फोगाट भी जूझती दिखी लेकिन ग्रीको रोमन पहलवानों और जूनियर पहलवानों ने बड़े मंच पर बेहतरीन प्रदर्शन किया जिससे भारतीय कुश्ती के लिये वर्ष शानदार रहा।

अंतिम पंघाल अंडर-20 विश्व चैम्पियन बनी और जब विनेश नहीं होंगी तो वह 53 किग्रा वजन वर्ग में भारत के लिये सर्वश्रेष्ठ पहलवान हो सकती हैं। भारतीय हॉकी टीमों ने ऊपर की ओर बढ़ना जारी रखा जिसमें महिलाओं ने पुरूषों पर बाजी मारी। महिला टीम ने 16 वर्षों के बाद राष्ट्रमंडल खेलों में कांस्य पदक जीता। पुरूष टीम ने भी रजत पदक जीता लेकिन फाइनल में आस्ट्रेलिया से मिली 0-7 की हार निराशाजनक रही। भारतीय पुरूष हॉकी टीम को आस्ट्रेलिया से हुई श्रृंखला में 1-4 से शिकस्त झेलनी पड़ी।

भारोत्तोलक मीराबाई चानू ने राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक के अलावा विश्व चैम्पियनशिप से दूसरा पदक भी अपनी झोली में डाला। वहीं खेल को नये नायक जेरेमी लालरिनुंगा और अचिंता शेयुली के रूप में मिले जो बर्मिंघम में 10 पदक विजेताओं में शामिल रहे। भारत को खेल में हर्षदा गरूड़ के रूप में जूनियर विश्व चैम्पियन मिला। भारतीय प्रशंसक चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ टी20 विश्व कप के रोमांचक मुकाबले में विराट कोहली के लाजवाब शॉट्स कभी नहीं भूलेंगे और इस पारी को बार बार देखना चाहेंगे।

कोहली ने साबित किया कि टी20 प्रारूप में भी बल्लेबाजी एक कला ही है। कोहली ने लंबे प्रारूप में कप्तानी छोड़ दी जिसके बाद बीसीसीआई से उनके रिश्ते और कड़वे हो गये जब उन्हें वनडे कप्तानी से हटा दिया गया। कहा जा सकता है कि 2022 में भारतीय क्रिकेट में मैदान के अंदर और बाहर माहौल अराजकता भरा रहा। मुख्य बल्लेबाजों का संघर्ष बहस का विषय बना रहा जिसमें कप्तान रोहित शर्मा और केएल राहुल शामिल रहे।

उनके बल्लेबाजी रवैये पर सवाल उठाये गये क्योंकि टीम को अकसर पावरप्ले ओवरों में उनके इस संघर्ष का खामियाजा भुगतना पड़ा। वहीं हार्दिक पंड्या राष्ट्रीय टीम के नये कप्तान के तौर पर सामने आये क्योंकि रोहित को विश्व कप में एक बार फिर सेमीफाइनल में मिली हार का खामियाजा भुगतना पड़ा जिसमें टीम इंग्लैंड के हाथों हार गयी ।भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका में एक टेस्ट श्रृंखला भी गंवा दी। जहां स्थापित खिलाड़ी जूझते दिखे तो एक बल्लेबाज जिसने प्रशंसकों और विशेषज्ञों को मंत्रमुग्ध किया वो थे सूर्यकुमार यादव।

उनकी गेंद को स्ट्राइक करने की काबिलियत असाधारण थी जिससे उनकी तुलना महान क्रिकेटर एबी डिविलियर्स से की गयी। जिस तरह से सौरव गांगुली का बीसीसीआई अध्यक्ष के तौर पर कार्यकाल खत्म हुआ, उसकी भी काफी आलोचना हुई। उच्चतम न्यायालय ने उन्हें अध्यक्ष बनाये रखने की अनुमति दे दी लेकिन बोर्ड ने रोजर बिन्नी को नया अध्यक्ष नियुक्त कर दिया।

आंद्रीस्कू ने एडिलेड इंटरनेशनल में मुगुरुजा को हराया

एडिलेड। कनाडा की बियांका आंद्रीस्कू ने रविवार को यहां एडिलेड इंटरनेशनल टेनिस टूर्नामेंट के पहले दौर में स्पेन की गरबाइन मुगुरुजा को एक संघर्षपूर्ण मैच में 0-6, 7-6 (3), 6-1 से हराया। अमेरिकी ओपन में 2019 की चैंपियन आंद्रीस्कू एक समय 0-6, 2-5 से पीछे चल रही थी लेकिन इसके बाद उन्होंने शानदार वापसी की और दो घंटे 12 मिनट तक चले मैच में जीत दर्ज की। आंद्रीस्कू ने इस जीत से मुगुरुजा के खिलाफ अपना रिकॉर्ड 3-0 कर दिया। आंद्रीस्कू ने बाद में कहा," मैंने दूसरे सेट में अपनी रणनीति बदली। मैंने स्वयं से कहा जो कुछ भी हो जाए तुम्हें अपनी रणनीति पर अडिग रहना है।''इस टूर्नामेंट में सभी की निगाहें पुरुष एकल में विश्व के नंबर एक खिलाड़ी नोवाक जोकोविच पर टिकी रहेंगी जो सोमवार को पहले दौर के मैच में फ्रांस के कॉन्स्टेंट लेस्टीन से भिड़ेंगे। जोकोविच को कोविड-19 का टीकाकरण नहीं कराने के कारण पिछले साल ऑस्ट्रेलिया से निर्वासित कर दिया गया था।

जोकोविच ने 2007 में 19 साल की उम्र में एडिलेड इंटरनेशनल का खिताब जीता था जो उनका तीसरा एटीपी टूर खिताब था।

दूसरे दिन भी रहा सपाइयों का सत्याग्रह धरना

बीपीएस न्यूज

कानपुर । समाजवादी पार्टी आर्य नगर विधानसभा क्षेत्र के विधायक अमिताभ बाजपेई द्वारा विधायक हाजी इरफान सोलंकी एवं सपा कार्यकर्ताओं नेताओं पर फर्जी मुकदमे लगाकर उत्पीड़न कर रही सरकार के खिलाफ आज दूसरे दिन सत्याग्रह धरने को संबोधित करते हुए विधायक अमिताभ बाजपेई ने कहां की प्रदेश व केंद्र की भाजपा सरकार उद्योगपतियों एवं पूंजी पतियों की सरकार है विदेशी पूंजी निवेश स्मार्ट सिटी के नाम पर जनता को धोखा दे रही है हमारी पार्टी के विधायक हाजी इरफान सोलंकी को एक प्लाट में आगजनी के मामले में फर्जी मुकदमे लगा कर जेल भेज दिया है कितनी दम है तुम्हारी गोली और लाठी में हम लोग हर जुल्म सहने को तैयार है हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव विधायक हाजी इरफान सोलंकी से जेल में मिलने आए तो उनके जाते ही शासन के इशारे पर एक और फर्जी मुकदमा लगा दिया गया हमारे नेता अखिलेश यादव जी के निर्देश पर हम लोग जेल भरो आंदोलन करने के लिए हम पूरी तरह तैयार हैं हम समाजवादी लोग भाजपा की गीदड़ भभकी से डरने वाले नहीं है जीएसटी के नाम पर व्यापारियों का उत्पीड़न किया जा रहा है हम समाजवादी लोग हर जोर जुल्म की टक्कर में संघर्ष हमारा नारा है संघर्ष के आदी हैं हम समाजवादी हैं,विधायक अमिताभ बाजपेई ने आगे बताया कि बाहर से आए अधिकारियों ने कानपुर शहर को चारागाह बना दिया है अगर इन अधिकारियों की जांच करा दी जाए तो उनके पास 100 100 करोड़ की संपत्ति मिलेगी एक एक अधिकारी ने सौ सौ करोड़ कमाकर जनता की गाढ़ी कमाई को लूट रहे हैं अगर हमारी आवाज नहीं सुनी तो हम आंदोलन अधिकारियों के घर पर चलाएंगे ना हम चैन से सोएंगे और ना ही हम अधिकारियों को चैन से सोने देंगे हम अपने सभी समाजवादी साथियों को धन्यवाद देते हैं इस अनुकूल मौसम के बावजूद भी आप लोग इस कार्यक्रम में आकर हमारा हौसला बढ़ाया है हम लोग डरेंगे नहीं हम लोग मारेंगे नहीं वह मानेंगे भी नहीं जो हमसे टकराएगा चूर चूर हो जाएगा आज हमारे नेता और कार्यकर्ता सब परेशान है यह तानाशाही सरकार है सरकार ने जनता से किए वादे पूरे नहीं किए जनता सवाल पूछे कि तुम लोगों ने क्या किया हम लोगों को भी धमकाया गया कि अगर तुम सरकार के खिलाफ ज्यादा बोलोगे तो तुम्हारा भी हाल हाजी इरफान सोलंकी की तरह होगा विधायक हाजी इरफान सोलंकी के मुकदमे की जांच भी नहीं हुई लगातार विधायक हाजी इरफान सोलंकी के ऊपर गैंगस्टर वाअनेक मुकदमा लगाकर शासन ने विधायक को गैंगस्टर के लीडर बना दिया है हम लोग इस 6 डिग्री तापमान में भी आंदोलन करने को तैयार है समाजवादी लोग देखेंगे तुम्हारी जेल में कितनी जगह है हम लोग राष्ट्रीय अध्यक्ष का आदेश मिलते ही जेल भरो आंदोलन चलाएंगे धरने में सपा के अलावा राष्ट्रीय लोक दल सीपीएम सीपीआई राजद सहित ट्रेड यूनियन के नेता भी मौजूद रहे चाहे कितने भी मुकदमे लगा दो आप हमारी हिम्मत और हौसला नहीं तोड़ सकते आप आज चुनाव करा लो हाजी इरफान सोलंकी पहले से ज्यादा मतों से चुनाव जीतेंगे सत्याग्रह आंदोलन की अध्यक्षता समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता कुतुबुद्दीन मंसूरी ने की इस अवसर पर विधायक मोहम्मद हसन रूमी पूर्व विधायक रामकुमार, संयोजक सुरेश गुप्ता, मोहम्मद उस्मान, अशोक तिवारी, सीपीएम के आर. पी. कनौजिया सीपीआई के प्रदीप यादव, राजद राजीव निगम ट्रेड यूनियन राम कुमार एडवोकेट अभिषेक गुप्ता मोनू, अमित मल्होत्रा, नंदलाल जायसवाल, हरी ओम पांडे, सुशील तिवारी, मोहम्मद सारिया, नीरज सिंह , वरूण मिश्रा,कमलेश ओमर, सर्वेश आदि भारी संख्या लोग प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

गरीब नवाज हफ्ते का आगाज़ 20 जनवरी से

बीपीएस न्यूज

कानपुर। मदरसा जामिया अशरफुल मदारिस गद्दियाना में ऑल इंडिया गरीब नवाज काउंसिल के अराकीन और जिम्मेदारों की एक अहम मीटिंग ब सिलसिला 18वाँ सालाना गरीब नवाज हफ्ता आयोजित जिस की सदारत काउंसिल के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना मो.हाशिम अशरफी इमाम ईदगाह गदियाना ने फरमाई मीटिंग में तय हुआ पिछले साल की तरह इस साल भी गरीब नवाज हफ्ता बहुत ही धूमधाम से मनाया जाएगा जिसमें शहर के मुख्तलिफ मक़ामात पर प्रोग्राम होंगे जिसमें जश्ने गरीब नवाज नाम से जलसे करके ख्वाजा गरीब नवाज की तालीम मोहब्बत,सब्र मानवता, अहिंसा, भाईचारा, अखलाक आम किया जाएगा,लंगर खिलाया जाएगा, मरीजों को फल तक्सीम किए जाएंगे प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए प्रोग्राम की तफसील बताई जाएगी वाज़ेह हो कि गरीब नवाज हफ्ते का आगाज़ 20 जनवरी से किया जाएगा इस अवसर पर काउंसिल के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना मो.हाशिम अशरफी इमाम ईदगाह गदियाना ने कहा कि हिंदुस्तान की विलायत पैगम्बरे इस्लाम की बारगाह से ख्वाजा गरीब नवाज को अता हुई है ख्वाजा गरीब नवाज शहंशाह ए हिंदुस्तान है आपने अपनी रूहानियत और तालीम से लोगों में मोहब्बत और भाईचारा पैदा किया उनके बताए हुए रास्ते पर चलकर हम नफरत की आंधीओं को ठंडा कर सकते हैं मीटिंग में उपस्थित ! इस अवसर पर प्रमुख रूप से मुफ़्ती शम्सुल हुदा,खुर्शीद आलम,मोहम्मद वसीम,हाफिज मिन्हाजुद्दीन कादरी,मौलाना फैसल अलीमी,कारी सय्यद अजीमुद्दीन, ाफिज एहतिशाम,मो.फैजी,हाजी हैदर ताजुद्दीन,हनीफ अहमद,अब्दुलकरीम,शाकिर अली,नुरानी बरकाती आदि उपस्थित रहे

एकलव्य सेना ने किया खिचड़ी वितरण

कानपुर । सृष्टि रचियता महर्षि कश्यप एवं विश्व के सर्वश्रेष्ठ धनुर्धर एकलव्य निषाद की याद में निषाद पार्क गंगा बैराज में भगवान राम के आत्मा बालसखा भगवान निषाद राज को गंगाजल से स्नान कराकर माल्यार्पण कर नव वर्ष के शुभ अवसर पर खिचड़ी प्रसाद स्वरूप भक्त गणों को वितरित की गई भगवान निषादराज महर्षि कश्यप एवं विश्व के सर्वश्रेष्ठ धनुर्धर की अनुकंपा सभी पर सदैव बनी रहे एवं प्रदेश अध्यक्ष एकलव्य सेना उत्तर प्रदेश श्रवण कुमार निषाद द्वारा आगामी 5 अप्रैल को निषाद जयंती भव्य तरीके से मनाए जाने हेतु अपनी प्रदेशिक एवं जिला कार्यकारिणी की उपस्थिति में रणनीति तैयार की गई एवं समाज को एकजुट होने का संदेश दिया वह राजनीति में अपनी भागीदारी वह हिस्सेदारी सुनिश्चित करने हेतु रणनीतियां तैयार की गई जय वीर एकलव्य जय महर्षि कश्यप जय निषाद राज कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रदेश कार्यकारिणी ने इस अवसर पर सरकार से मांग करी कि भगवान निषाद राज गुह्व के दर्शन हेतु भक्त गणों के लिए सार्वजनिक किया जाएं व मेन गेट पर बड़ा गेट बनवा कर उसमें निषाद पार्क लिखवाया जिससे उसकी पहचान सुनिश्चित हो ।अभी लोग भटक जाते हैं । खिचड़ी वितरण में एकलव्य सेना प्रदेश अध्यक्ष श्रवण निषाद, नीरज निषाद, सरवन निषाद, विजय निषाद, शिवा, विनोद प्रधान, सिपाही लाल,आदि मौजूद रहे।

डीएम ने ग्राम पंचायतों के कार्य सुस्त होने व गंदगी पर एडीओ व एई को नोटिस दिया

बीपीएस न्यूज

कानपुर। जिलाधिकारी विशाख जी. ने विकास खंड बिधनू, पतारा की ग्राम पंचायतों में चल रहे नवीन अस्थाई गोवंश आश्रय बायोगैस प्लांटएसएलडब्ल्यूएम एवं अमृत सरोवर स्थल के कार्यो का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में ग्राम पंचायत जामू के कूड़ा संग्रह केंद्र के चारो तरफ पिलर लगाकर तार फैंसिंग कराते हुए इंटर लॉकिंग कर संरक्षित कराने। गौशाला निर्माण कार्य धीमी गति से चलने के दृष्टिगत ग्राम प्रधान एवं सचिव को नोटिस देने, अमृत सरोवर के चारो तरफ स्ट्रीट लाइट लगाने के निर्देश खंड विकास अधिकारी को दिए ।वही, ग्राम पंचायत संभुआ में कूड़ा संग्रह केंद्र एवं गौशाला निर्माण की धीमी गति होने पर खण्ड विकास अधिकारी बिधनू तथा अधिशाषी अभियंता निर्माण खण्ड बिधनू को नोटिस देने व 10 दिन में गौशाला संचालित कराने के निर्देश दिए । पतारा विकास खण्ड की ग्राम पंचायत रामसारी की नवीन गौशाला तथा अमृत सरोवर का निरीक्षण कर गौशला के कार्यो को तेजी से एक सप्ताह के अंदर पूर्ण कराने के निर्देश खंड विकास पतारा को दिए । पतारा के ग्राम पंचायत इटर्रा के गौशाला एवं बायोगैस प्लांट का निरीक्षण कर गौशाला का कुशल संचालन कराने के निर्देश खंड विकास अधिकारी को दिए। ग्राम पंचायत इटर्रा बायो गैस प्लांट स्थापित किया गया जिससे 25 घरो को गैस कनेक्शन मिला। इटर्रा ग्राम में सड़क किनारे गंदगी व गोबर अधिक मात्रा में पड़ा मिला जिसके पर सचिव को नोटिस दिए जाने के निर्देश जिला पंचायत राज अधिकारी को दिए।

सड़क किनारे मिला युवक का शव

बीपीएस न्यूज

कानपुर। बिठूर थाना क्षेत्र में युवक का शव मिलने से हड़कंप मच गया। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार, गोरहा गांव नई बस्ती के पास एक अर्धनग्न युवक का शव पेट के बल सड़क किनारे पड़ा मिला ।सुबह ग्रामीण जब खेतों की तरफ जा रहे थे, तब उन्होंने बिठूर पुलिस को सूचना दी। युवक नीली जीन्स पहने हुए था। मौके पर बिठूर इंस्पेक्टर अमरनाथ विश्वकर्मा फोर्स के साथ पहुंचे ।युवक के पास मोबाइल, पॉवर बैंक, सिगरेट की डिब्बी पड़ी मिली। वहीं, शव के पास पहियों के निशान भी मिले हैं। युवक के दाएं हाथ की कलाई आधी से ज्यादा कटी थी और हड्डियां टूटी हुई थीं। साथ ही बाएं पैर की हड्डी भी टुटी हुई मिली है। ग्रामीणों ने देर रात हत्या कर शव फेंके जाने की आशंका जताई है। फोरेंसिक टीम के आने में देरी होने पर और शव की शिनाख्त न हो पाने पर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया है। थाना प्रभारी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। शव की शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं।

चोरी कर बाइक से फर्राटा भर रहा चोर पुलिस ने पकड़ा

बीपीएस न्यूज

घाटमपुर । महाराजपुर थाना क्षेत्र सरसौल से मोटरसाइकल चोरी करने के उपरांत सजेती थाना क्षेत्र के कोरियां मोड़ पर बेचने के इरादे से आ रहे चोर को पकड़ा। जिसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने न्यायालय में पेश कर भेजा जेल। महाराजपुर थाना क्षेत्र के कस्बा सरसौल से अभियुक्त राम सिंह उर्फ प्रधान पुत्र जवाहिर कुशवाह निवासी ग्राम कोरसम थाना कल्याणपुर जिला फतेहपुर उम्र 34 द्वारा बाइक चोरी करने के बाद बेचने के इरादे से सजेती थाना क्षेत्र के कोरिया मोड़ पर आया जिसे मुखबिर की सूचना पर गिरफ्तार किया गया जिसके कब्जे से मोटरसाइकिल बरामद हुई पूछने पर अभियुक्त रामसिंह उपरोक्त द्वारा बताया गया कि वह मोटरसाइकिल उसने काफी दिन पूर्व महाराजपुर थाना क्षेत्र से चोरी की है आज मजबूरी का बहाना बताकर किसी न किसी को भेज देता। अभियुक्त राम सिंह उपरोक्त पुलिस द्वारा गिरफ्तार करते हुए न्यायालय से रिमांड स्वीकृत कराते हुए जेल भेजने की कार्यवाही हुई है उपरोक्त घटना के संबंध में बरामद मोटरसाइकिल को हिरासत पुलिस में लेते हुए अभियुक्त राम सिंह के विरुद्ध पंजीकृत किया। एसओ पवन कुमार ने बताया कि बाइक के वाहन स्वामी की तलाश की जा रही है।

मोटा अनाज वर्ष पर सीएसए का आगाज

बीपीएस न्यूज कानपुर । सीएसए के अधीन संचालित दरियापुर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र से 10 किसानों की टीम भारतीय कदन्न अनुसंधान संस्थान हैदराबाद में दो दिवसीय मोटे अनाजों पर प्रशिक्षण हेतु दिनांक 3 जनवरी को वैज्ञानिकों के नेतृत्व में रवाना हो रही है ।ज्ञातब्य हो कि संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा वर्ष को अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष घोषित किया गया है। इसीलिए गत वर्ष विश्वविद्यालय द्वारा एक दिवसीय मोटे अनाजों पर कार्यशाला आयोजित की गई थी जिसमें प्रदेश के कई जनपदों के किसानों, देश के उत्कृष्ट कृषि वैज्ञानिकों ने सहभागिता की थी। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर डीआर सिंह ने बताया कि मार्च 2021 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा भारत की ओर से पेस एक प्रस्ताव को सर्वसम्मति से स्वीकार कर लिया गया था। उन्होंने बताया कि इस प्रस्ताव का विश्व के 70 से अधिक देशों ने समर्थन किया था।

बी पी एस न्यूज
हिन्दी साप्ताहिक

मुद्रक प्रकाशक स्वात्वाधिकारी बुद्ध प्रकाश साहू द्वारा मां प्रिन्टर्स गार्डेन नं. 6-ए/7 रेल बाजार कानपुर नगर से मुद्रित एवं 344- बगाही भट्ठा टी.पी. नगर कानपुर से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. UPHIN/2016/66740, डाक पंजीयन सं. कानपुर सिटी 304/2021-2023, सम्पादक बुद्ध प्रकाश साहू व्हाट्सअप 9335908846 मो.: 8423454502 email:bps.knp786@gmail.com info@bpsnews.in www.bpsnews.in नोट-समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर नगर न्यायालय होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों एवं समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों व संवाददाताओं की होगी।